सावन, मास , वर्ष-10, अंक 148, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज मंगलवार 20 अगस्त, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

Adhunik Samachar

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

10 वर्ष विश्वास के

सभी देशवासीयों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

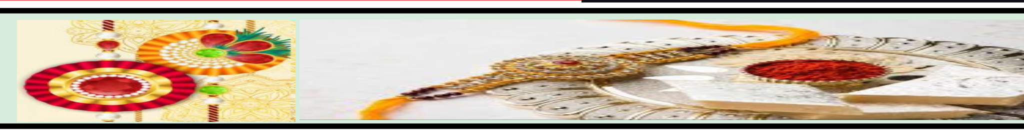

केशव प्रसाद मौर्य उपमुख्यमंत्री

राजेश अरोड़ा केंद्रीय कर्मचारी

अर्चना सरोज शिक्षिका

लोकगीत गायक आशीष

राजेश मिश्रा पत्रकार

शुभी शुक्ला छात्रा

काव्या शुक्ला छात्रा

मनोज नागरिक सुरक्षा अधिकारी

कृष्णा पाण्डेय छात्र

ब्रह्मप्रिया नम्रता कमलिनी

डॉ गुफरान अहमद समाजसेवी

प्रियंका त्रिपाठी

मशहूर मॉडल श्वेता निन्झाएं को अशोक मस्ती के द्वार सम्मान किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। मशहूर मॉडल श्वेता निन्झाएं को अशोक मस्ती के द्वार सम्मान किया गया अशोक मस्ती एक भारतीय पार्श्व गायक हैं। उन्हें उनके गीत खड़के ग्लासी के लिए जाना जाता है, जिसे उन्होंने और यो यो हनी सिंह ने परिणीति चोपड़ा और सिद्धार्थ मल्होत्रा अभिनीत फिल्म जबरिया जोड़ी से गाया है। उनके गाने 'ग्लासी-2' को साल के सर्वश्रेष्ठ पंजाबी म्यूजिक क्लब सॉन्ग अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की पत्नी की तबीयत अचानक बिगड़ी एसआरएन में कराया गया भर्ती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । केशव प्रसाद मौर्य ही अपनी पतनी को लेकर अस्पताल पहुंचे। उन्हें एसआरएन अस्पताल के कॉर्डियोलॉजी इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों की टीम ने मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा की देखरेख में उनका उपचार किया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पतने की पतने राजकुमारी मौर्य की तबीयत रविवार की देर रात अचानक बिगड़ गई। लो ब्लड प्रेशर की शिकायत के बाद उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। केशव प्रसाद मौर्य ही अपनी पतने को लेकर अस्पताल पहुंचे। उन्हें एसआरएन अस्पताल के कॉडियोलॉजी इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों की टीम ने मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा की देखरेख में उनका उपचार किया।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद महिला के पार्ट में डाला सरिया, हालत नाजुक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । प्रयागराज के सरायममरेज इलाके में महिला के साथ हैवानियत की गई। सामूहिक दुष्कर्म के बाद महिला के प्राइवेट पार्ट में सरिया डाल दिया गया। साथ ही उसकी रॉड से पिटाई भी की गई। महिला रात भर तड़पती रही। सुबह सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल भेजवाया। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। सरायममरेज थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया।तीन लोगों ने उसके साथ दरिंदगी की। आरोप यह भी है कि उसके प्राइवेट पार्ट में सरिया डाल दिया गया। इसके बाद गंभीर हालत में उसे छोड़कर आरोपी भाग निकले। पुलिस अफसरों का कहना है कि सामूहिक दुष्कर्म हुआ या नहीं, यह मेडिकल रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। घटना देर रात एक बजे के करीब की बताई जा रही है। सुबह लोगों ने देखा तो सबसे पहले डायल 112 की पुलिस पहुंची। कुछ देर बाद थाने की फोर्स भी आ गई और फिर सरकारी एंबुलेंस से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां से रेफर किए जाने पर उसे एसआरएन अस्पताल ले आया गया जहां से मेडिकल के लिए उसे डफरिन अस्पताल में भेजा गया है।महिला इन दिनों अपने मायके सरायममरेज में रह रही थी और उसकी शादी उतरांव में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने अपने जेठ व दो अन्य अज्ञात पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती ने बताया कि आरोपी जेठ को हिरासत में ले लिया गया है। साथ ही आरोपों के आधार पर सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर सराय ममरेज योगेश प्रताप सिंह का कहना है कि महिला के सिर में भी गंभीर चोट के निशान हैं। परिजनों ने अभी तक किसी प्रकार की कोई तहरीर नहीं दी है। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल में पुलिस जुटी हुई है।

750 महिला स्टाफ, आठ माह से 96 कैमरे बंद, सात गार्डों में एक के पास ही बंदूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । 2018 में एसआरएन में 96 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इनकी वारंटी पांच वर्ष की थी, जो सितंबर 2023 में समाप्त हो गई। पिछले एक साल से ये कैमरे चल रहे हैं कि नहीं, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। कोलकाता की घटना के बाद भी स्वरूप रानी अस्पताल ने सबक नहीं लिया है। यहां 50 महिला चिकित्सकों व 700 नर्सों की तैनाती है। इसके बावजूद आठ माह से अस्पताल में लगे 96 कैमरे में बंद पड़े हैं। वहीं, सात सुरक्षा गार्डों की तैनाती है। इसमें से सिर्फ एक के पास बंदूक रहती है, अन्य डंडा लेकर ड्यूटी करते हैं। 2018 में एसआरएन में 96 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इनकी वारंटी पांच वर्ष की थी, जो सितंबर 2023 में समाप्त हो गई। पिछले एक साल से ये कैमरे चल रहे हैं कि नहीं, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। कोलकाता की घटना के बाद एसआरएन प्रशासन को याद आई तो इन्हें रिपेयर करने की योजना बनाई गई। जब इन कैमरों को लगाने वाली स्टार कम्युनिकेशन संस्था से बात की गई तो पता चला कि एक साल से कैमरों को लेकर कोई भी बात नहीं हुई है।वहीं, दूसरी तरफ एक हफ्ते से हड़ताल पर बैठे रेजिडेंट डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में उनकी सुरक्षा को लेकर कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है। खासतौर से इमरजेंसी मेडिसिन, एचडीयू, इमरजेंसी सर्जरी व लेबर रूम में सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इसके अलावा रेजिडेंट महिला डॉक्टर और नर्स की ड्यूटी अस्पताल में रात-दिन रहती है। ऐसे में रात में खतरा और बढ़ जाता है। चार दिन पहले एमएलएन मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ.वत्सला मिश्रा संग बैठक में रेजिडेंट डॉक्टरों ने सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। चिकित्सकों का साफ कहना है कि पहले सुरक्षा मिले तब काम होगा।

पत्नी की हत्या में उम्रकैद भुगत रहा युवक 13 साल बाद बेगुनाह, सास-ससुर पहले ही हो चुके हैं बरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । यह फैसला न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने आरोपी दिनेश तिवारी की अपील स्वीकार करते हुए सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने आरोपी पति की ओर से पेश किए गए ट्रेन के टिकट पर विचार नहीं किया, जबकि उसी आधार पर सास-ससुर को बरी किया गया इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज की मांग को लेकर पतनी की हत्या में दोषी ठहराए गए युवक को बेगुनाह करार दिया। ट्रायल कोर्ट से मिली आजीवन कारावास और सात हजार रुपये जुर्माने की सजा रद्द कर दी। यह फैसला न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने आरोपी दिनेश तिवारी की अपील स्वीकार करते हुए सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने आरोपी पति की ओर से पेश किए गए ट्रेन के टिकट पर विचार नहीं किया, जबकि उसी आधार पर सास-ससुर को बरी किया गया। साथ ही ट्रायल कोर्ट विरोधाभाषी एफआईआर से उपजे संदेह पर विचार करने में भी विफल रही। दोनों एफआईआर से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि पहले मृतका की जलाकर मारने का आरोप लगाया गया। जबकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद गला दबाकर हत्या की एफआईआर दर्ज कराई गई, जो संदेहास्पद है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के सजा के फैसले को पलटते हुए 13 साल से जेल में बंद पति को बेगुनाह बता सभी आरोपों से बरी कर दिया। पिता का आरोप...दहेज के लिए बेटी की हत्या की गइ मामला कौशाम्बी के चरवा थाना क्षेत्र का है। लक्ष्मी नारायण मिश्र ने बेटी पूनम की शादी दिनेश संग दो मार्च 2008 में की थी। पांच अगस्त 2011 को पूनम की मौत उसकी ससुराल में हो गई। सूचना मिलने पर पहुंचे उसके पिता ने दामाद दिनेश तिवारी और उसके माता-पिता के खिलाफ बेटी की हत्या की एफआईआर दर्ज कराई। आरोप लगाया कि 21 हजार रुपये, सोने की जंजीर और एक भैंस की मांग पूरी नहीं होने पर उनकी बेटी को जलाकर मार डाला गया। इसके बाद पोस्टमार्टम में गला दबाकर मारने के बात सामने आई तो पिता की ओर से घटना के आठ दिन बाद गला दबाकर मारने की एफआईआर दर्ज कराई। विवेचक ने सभी के खिलाफ ट्रायल कोर्ट ने आरोप पत्र दाखिल किया। 19 अक्तूबर 2013 को फैसला सुनाते हुए ट्रायल कोर्ट ने सास-ससुर को निर्दोष करार दिया, जबकि पति दिनेश को आजीवन कारावास और सात हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।ट्रायल कोर्ट से मिली सजा के खिलाफ दिनेश तिवारी ने हाईकोर्ट का रुख किया। कहा कि घटना के दिन वह मौके पर मौजूद नहीं था। अधिवक्ता प्रदीप कुमार राय ने दलील दी कि घटना वाले दिन पति अपने माता-पिता संग वैष्णो देवी दर्शन करने गया था।

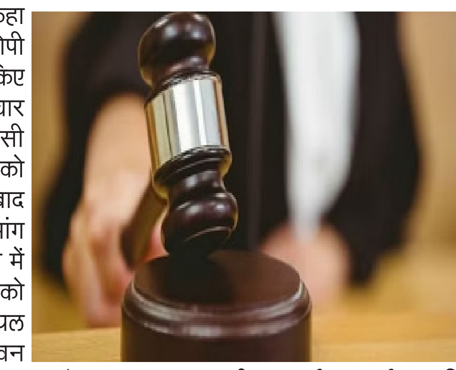

सात दिन में आठ हजार मरीज इलाज के लिए भटके, एसआरएन की स्थित सबसे ज्यादा खराब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । देशभर के जूनियर व सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर 12 अगस्त को हड़ताल पर चले गए। इसके बाद से दिन पर दिन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने लगीं। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के निर्देश पर सीनियर कन्सल्टेंट ने मोर्चा संभाला, लेकिन यह प्रयोग भी विफल रहा। कोलकाता की घटना के विरोध में हड़ताल की वजह से स्वास्थ्य व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं। एक हफ्ते में आठ हजार मरीजों को इलाज का संकट रहा। इसमें पांच हजार तो सिर्फ एसआरएन अस्पताल की ओपीडी के हैं। इसके अलावा शनिवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन की हड़ताल में शामिल होने से 24 घंटे में तीन हजार से अधिक मरीजों को इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ गया। रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल फिलहाल, समाप्त होती नजर नहीं आ रही है। देशभर के जूनियर व सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर 12 अगस्त को हड़ताल पर चले गए। इसके बाद से दिन पर दिन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने लगीं। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के निर्देश पर सीनियर कन्सल्टेंट ने मोर्चा संभाला, लेकिन यह प्रयोग भी विफल रहा।

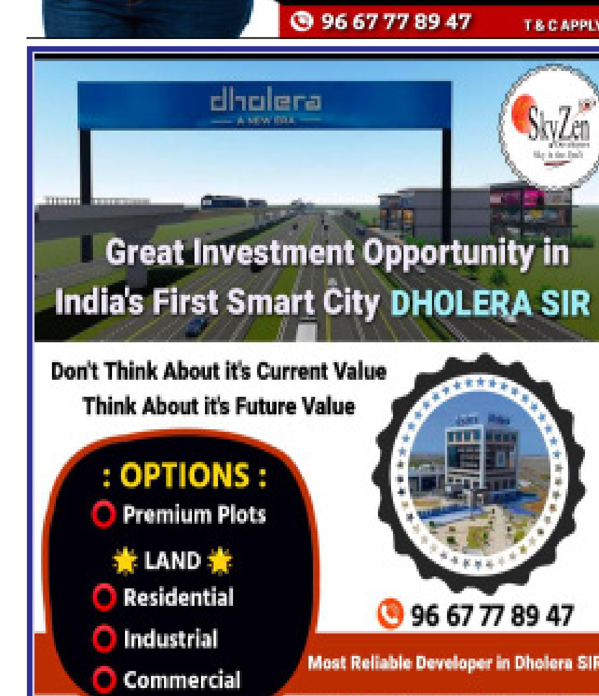

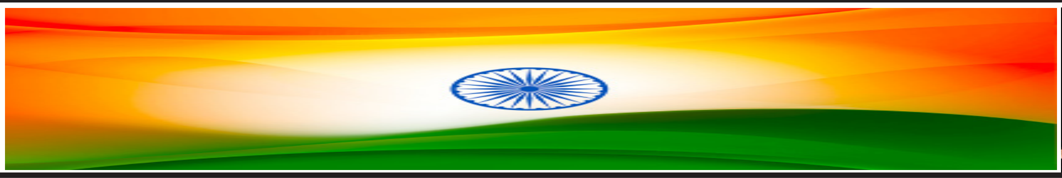

भारत

संक्षिप्त समाचार

व्हील स्टंट करना पड़ा भारी, टक्कर लगने के बाद लोगों ने फ्लाईओवर से नीचे फेंकी बाइक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। बेंगलुरु के नेलमंगला के पास फ्लाईओवर से हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आई है। यहां कुछ गुस्साए लोगों ने फ्लाईओवर से नीचे बाइकें फेंकी, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस कदम की नेटिजन्स भी सराहना कर रहे हैं। क्यों उठाया ये कदम दरअसल, लोगों ने ये कदम युवाओं के व्हील स्टंट से परेशान होकर उठाया है। बता दें की व्हील स्टंट का मतलब बाइक के आगे के पहिये को जमीन से ऊपर उठा कर चलाने वाले स्टंट को कहते है। अब ऐसे स्टंट व्यस्त सड़कों और हाइवे या फ्लाईओवर पर

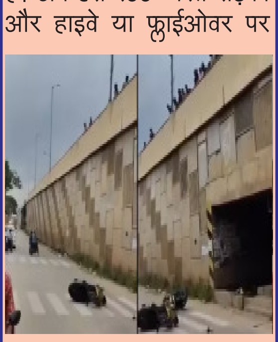

अक्सर किए जा रहे थे। व्हीली स्टंट से गुस्सा होकर तुमकुरु हाईवे के पास के गांवों में रहने वाले लोगों ने व्हीली स्टंट कर रहे युवकों को घेरा और सभी को सबक सिखाने के लिए उनकी बाइक को फ्लाईओवर से नीचे फेंक दिया।बता दें कि ये घटना गुरुवार (15 अगस्त) की है। एक युवा द्वारा व्हील स्टंट करने के दौरान एक अन्य दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर हो गई, जिससे छोटी सी दुर्घटना हो गई। युवा के लापरवाही से स्थानीय लोग परेशान हो गए और मौके पर मौजूद लोगों ने गुस्से में व्हील स्टंट कर रहे युवकों को घेरा और उनकी बाइक फ्लाईओवर से नीचे फेंक दी। ये बाइकें सर्विस रोड पर फेंकी और वहां मौजद लोगों ने तुरंत इसका वीडियो कैमरे में कैद कर लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नेलमंगला ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को मामला दर्ज किया। मामले की जांच कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि बेंगलुरु में युवाओं का ग्रुप हाईवे पर व्हीली स्टंट करते रहते है। इससे स्थानीय लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी होती है।

यूट्यूब पर इस ट्रक ड्राइवर की दीवानगी, 1.86 मिलियन है सब्सक्राइबर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। क्या आपको कभी नौकरी करते हुए या घर बैठे ऐसा ख्याल आया कि चलो यूट्यूब चैनल खोलते है और अपनी क्रिएटिविटी को दुनिया के सामने पेश करते है। कहते है मेहनत और लगन से सबकुछ मुमकिन है। ऐसा ही झारखंड के ट्रंक ड्राइवर राजेश रवानी ने किया। वह सबसे मशहूर ट्रक ड्राइवर है जो भारत की सड़कों पर लगातार घूमते हुए खाना बनाते है और उसकी वीडियो अपने यूट्यूब चैनल आर राजेश ब्लॉग्स में अपलोड करते है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि उनके चैनल पर लगभग 1.86 मिलियन सब्सक्राइबर है। राजेश ने अपने यूट्यूब से इतनी कमाई कर ली है वो अब अपना नया घर बनाने में जुट गए है। जी हां, राजेश जंतर, झारखंड के रहने वाले है। हाल ही में उन्होंने अपनी कमाई का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह इस कमाई से अपना पहला घर बनाने जा रहे है। यहीं नहीं वह एक बार गंभीर सड़क दुर्घटना के भी शिकार हुए थे, लेकिन वह बाल-बाल बच गए। राजेश ने कहा कि उनके ऊपर पारिवारिक जिम्मेदारी है और उन्हें अपना पहला घर भी बनाना है। कितनी होती है कमाई राजेश रवानी ने खुलासा किया कि वह ट्रक ड्राइवर के रूप में प्रति माह 25,000 से 30,000 हजार के बीच कमाते है।

क्या है लेटरल एंट्री जिस पर मचा सियासी बवाल; यह है इसके पीछे की पूरी कहानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग की सेवाओं में लेटरल एंट्री को लेकर आजकल सियासत गरम है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा

है। जिस मुद्दे को लेकर विपक्ष हंगामा मचा रहा है, जानते हैं इसके पीछे की कहानी। लेटरल एंट्री के मुद्दे पर देश में सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। गांधी ने कहा कि इससे लोक सेवकों की भर्ती में आरक्षण खत्म हो जाएगा। वहीं भाजपा ने राहुल गांधी पर पलटवार किया और उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। सियासी हंगामे के बीच आइए जानते हैं क्या है लेटरल एंट्री... कब हुई इसकी शुरुआत। लेटरल एंट्री का मतलब निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की सीधी भर्ती से है। इसके माध्यम से केंद्र सरकार के मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के पदों की भर्ती की जाती है। यह अवधारणा सबसे पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान पेश की गई थी। 2005 में वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में बने दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग (एआरसी) ने इसका समर्थन किया था। एआरसी को भारतीय प्रशासनिक प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए सुधारों की सिफारिश करने का काम सौंपा गया था। कुछ सरकारी भूमिकाओं के लिए विशेष ज्ञान की आवश्यकता होती है जो पारंपरिक सिविल सेवाओं के भीतर हमेशा उपलब्ध नहीं होता है। इसलिए विषय विशेषज्ञों को शामिल करना जरूरी है। इससे विशेषज्ञों का एक पूल तैयार होगा। ये विषय विशेषज्ञ अर्थशास्त्र, वित्त, प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक नीति जैसे क्षेत्रों में नए दृष्टिकोण और विशेषज्ञता लाएंगे। लेटरल एंट्री को मौजूदा सिविल सेवाओं में इस तरह से एकीकृत किया जाए कि सिविल सेवा की अखंडता और लोकाचार को बनाए रखते हुए उनके विशेषज्ञ कौशल का लाभ उठाया जा सके।1966 में मोरारजी देसाई की अध्यक्षता वाले पहले प्रशासनिक सुधार आयोग ने इसका आधार तैयार किया था। हालांकि आयोग ने लेटरल एंट्री की कोई वकालत नहीं की थी। बाद में मुख्य आर्थिक सलाहकार का पद लेटरल एंट्री के जरिये भरा जाने लगा। नियमों के अनुसार, इसके लिए 45 वर्ष से कम आयु होनी चाहिए और वह अनिवार्य रूप से एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री हो। इसी तर्ज पर कई अन्य विशेषज्ञों को सरकार के सचिवों के रूप में नियुक्त किया जाता है। लेटरल एंट्री योजना औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में शुरू हुई। 2018 में सरकार ने संयुक्त सचिवों और निदेशकों जैसे वरिष्ठ पदों के लिए विशेषज्ञों के आवेदन मांगे थे। यह पहली बार था कि निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के पेशेवरों को इसमें मौका दिया गया।

कुवैत पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर, द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने पर सहमति; भारतीय समुदाय से भी मिले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कुवैत की राजधानी कुवैत सिटी में देश के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और उनसे द्विपक्षीय संबंधों तथा क्षेत्र के हालात पर चर्चा की। जयशंकर कुवैत के मध्य सदियों पुरानी दोस्ती है। दोनों देशों ने आपसी संबंधों को और बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया। जयशंकर ने यह जानकारी एक्स पर किए अपने पोस्ट में दी है। विदित हो कि इजरायल-गाजा युद्ध के चलते

यहां पर एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कुवैत के क्राउन प्रिंस सबाह अल-खालेद अल-सबाह से वार्ता की। इस दौरान दोनों देशों ने आपसी संबंधों का स्तर और बढ़ाए जाने की आवश्यकता जताई गई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर एक दिन के दौरे पर कुवैत पहुंचे। यहां उन्होंने कुवैत के प्रिंस प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान विदेश मंत्री जयशंकर कुवैत में रह रहे भारतीय समुदाय से भी मिले। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है। जयशंकर ने कहा, भारत और कुवैत की सदियों पुरानी मित्रता है और हमारा सहयोग निरंतर बढ़ रहा है। हमारे सहयोग के संबंध में क्राउन प्रिंस ने जो बातें कही हैं वे स्वागतयोग्य हैं। उनसे हमारा सहयोग नए स्तर पर पहुंचेगा। जयशंकर ने कुवैत के प्रधानमंत्री शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह से भी मुलाकात की। उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुभकामना संदेश भी दिया।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में एण् ने लिया स्वतः संज्ञान, सीजीआई चंद्रचूड़ की बेंच करेगी सुनवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर से रेप-हत्या मामले पर अब सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। 9 अगस्त को हुई इस घटना से देश भर में आक्रोश फैल गया, जिसके कारण देश के कई राज्यों में मेडिकल पेशेवरों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन और हड़ताल का एलान किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 20 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट का ये हस्तक्षेप बढ़ते प्रदर्शन और लोगों के दबाव के बीच आया है। दरअसल, शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले दो वकीलों और तेलंगाना के एक डॉक्टर ने ण्व्य् चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया। बता दें कि इस मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही है।

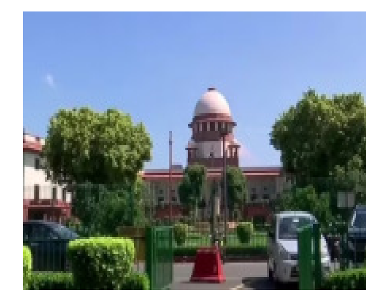

इस हादसे के बाद से भारत के मेडिकल पेशवरों, खासकर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। कोलकाता की ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव अस्पताल के सेमिनार हॉल में पड़ा हुआ मिला था। अपराध के सिलसिले में एक आरोपी को हिरासत में लिया है। हालांकि, पीडि़ता के परिवार और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यह अपराध सामूहिक बलात्कार था और वे यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की माँग कर रहे है शव के पोस्टमार्टम से पुष्टि हुई है कि पीडि़ता की मौत से पहले उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया था। देश में डॉक्टरों की सबसे बड़ी संस्था इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने मारे गए डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की है। शनिवार को आईएमए ने देशव्यापी हड़ताल का आह्वान करते हुए सभी गैर-जरूरी चिकित्सा सेवाओं को 24 घंटे के लिए निलंबित कर दिया।

यह तय करना अदालत का काम नहीं', तीन तलाक को लेकर दाखिल याचिका पर केंद्र सरकार ने क्यों दिया ये जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 2019 के मुस्लिम महिला (विवाह संरक्षा का अधिकार) अधिनियम के तहत

मुसलमान पुरुषों के तीन तलाक के अपराधीकरण की संवैधानिक वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दिए जाने पर हलफनामा दाखिल किया है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष तीन तलाक के अपराधीकरण का बचाव किया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में केंद्र ने सर्वोच्च अदालत को बताया कि इस अदूरदर्शी रिवायत से बचाव के लिए एक ऐसे कानूनी प्रविधान की आवश्यकता थी कि मुस्लिम पतियों को बलपूर्वक त्वरित तलाक देने से रोका जा सके। केंद्र सरकार की ओर से कानून मंत्रालय ने अपने हाल के दायर हलफनामे में कहा कि तीन तलाक की प्रथा ना सिर्फ सामाजिक संस्था विवाह के लिए घातक है, बल्कि यह मुस्लिम महिलाओं की स्थिति को बहुत दयनीय बनाता है। केंद्र ने कहा कि इससे सिर्फ निजी हानि ही नहीं होती, बल्कि यह सार्वजनिक जीवन में भी गलत है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सर्वोच्च अदालत लगातार यह बताती जा रही है कि कानून कैसा होना चाहिए, यह तय करना अदालत का काम नहीं है। यह सिर्फ विधायिका का काम है। यह वही तय करती है कि देश के लोगों के लिए क्या अच्छा है और क्या अच्छा नहीं है।

देश में अभी तक एमपॉक्स का एक भी केस नहीं, बड़े पैमाने पर फैलने का खतरा नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संक्रामक बीमारी एमपॉक्स (श्दहवब्र्ध्) को लेकर भारत की तैयारी की समीक्षा की है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भारत में फिलहाल इसका एक भी केस सामने नहीं आया है। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने एमपॉक्स को लेकर सरकार की तैयारी और इसकी पहचान के लिए निगरानी तंत्र की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार इसके हालात पर नजर रख रहे है। एमपॉक्स को लेकर केंद्र सरकार बेहद सतर्क है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद नजर रख रहे है। पीएम के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। सरकार के मुताबिक एमपॉक्स के देश में बड़े पैमाने पर फैलने का खतरा नहीं है। बता दें कि मौजूदा समय में एमपॉक्स के कई

मामले सामने आ चुके हैं।मंकीपॉक्स यानी एमपॉक्स संक्रामक बीमारी को पिछले ही हफ्ते डब्ल्यूएचओ ने अंतरराष्ट्रीय चिंता की जनस्वास्थ्य आपात स्थिति (पीएचईआइसी) घोषित किया है। यह जानलेवा बीमारी अफ्रीका के कई हिस्सों समेत देश के अलग-अलग भागों में फैली हुई है। प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने रविवार को बताया कि भारत में फिलहाल एमपॉक्स का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ है। देश में एमपॉक्स की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार नजर बनाए हुए हैं। बैठक में मौजूदा आकलन के बाद कहा गया कि बड़े पैमाने पर देश में इस बीमारी के फैलने का खतरा बहुत कम है। मिश्रा ने बताया कि संक्रमण को लेकर सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। बीमारी की जल्द पहचान के लिए टेस्टिंग लैब के नेटवर्क को और चुस्त-दुरुस्त करने को कहा गया है।

पिछले साल डॉक्टरों की सुरक्षा से जुड़ा विधेयक लाने की उठाई थी मांग, केंद्र सरकार पर भड़के शशि थरूर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
तिरुअनंतपुरम (केरल)। केरल के तिरुअनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कोलकाता के आरजी

कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी। थरूर ने डॉक्टरों के साथ अपनी सहानुभूति और एकजुटता व्यक्त की। कांग्रेस सांसद ने केंद्र सरकार पर निशाना भी साधा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की हत्या के बाद देशभर में चिकित्सकों की सुरक्षा पर बहस छिड़ गई है। इस बीच पश्चिम बंगाल राज्यपाल कार्यालय ने सभी मेडिकल कॉलेजों को महिला चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सरकार से विधेयक लाने की मांग की। शशि थरूर ने रविवार को एएनआई से बातचीत में कहा कि डॉक्टरों के साथ मेरी सहानुभूति और एकजुटता है। कम से कम दो वर्षों से मैं डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा के मुद्दे पर संसद में बोलता रहा हूं। तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ मेरी थोड़ी बहस हुई थी। मैंने तर्क दिया था कि सरकार को अपने कर्तव्यों के दौरान चिकित्सा पेशेवरों की विशेष रूप से सुरक्षा के लिए एक विधेयक लाना चाहिए।थरूर ने आगे कहा कि सरकार ने मुझे बहुत अजीब जवाब दिया कि अगर वे एक पेशे के लिए ऐसा करना शुरू करते हैं तो उन्हें अन्य व्यवसायों के लिए भी ऐसा करना पड़ेगा। यह एक हास्यास्पद तर्क है। मैं हैरान और दुखी हूं कि इस बारे में जनता और सरकार की चेतना बढ़ाने के इन सभी प्रयासों के बावजूद एक और डॉक्टर को अपनी जान गंवानी पड़ी। बता दें कि अगस्त 2023 में शशि थरूर ने कार्यस्थल पर डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को हिंसा से बचाने के लिए कानून बनाने की मांग की थी। उन्होंने ऐसी हिंसा के पीडि़तों को वित्तीय और कानूनी सहायता प्रदान करने की अपील भी की थी। इस दौरान थरूर ने केरल में जान गंवाने वाली एक महिला डॉक्टर का जिक्र किया था। उधर, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल कार्यालय ने रविवार को राज्य के मेडिकल कॉलेजों से संपर्क किया और महिला डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया। मामले की जांच कर रही सीबीआई टीम ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के आपातकालीन वार्ड की 3डी लेजर मैपिंग भी की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ 20 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी।

सड़क पर थे ज्यादा गड्ढे तो पूजा करने लगे लोग, बेंगलुरु में अनोखे अंदाज से किया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बेंगलुरु की कुख्यात गड्ढों की समस्या एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है, जिसका निवासियों को प्रतिदिन सामना करना पड़ता है। समस्या बढ़ती जा रही है। इस समस्या का निवासियों को प्रतिदिन सामना करना पड़ता है। ऐसे में जयनगर क्षेत्र के निवासियों ने अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए एक एक पुरुष और एक महिला को एक बड़े गड्ढे के किनारे पूजा करते हुए दिखाया गया है, जो पानी से भरा हुआ है। वे गड्ढे में फूल की पंखुडि़यां, हल्दी और कुमकुम चढ़ाते नजर आ

रहे हैं। विरोध के इस रूप, जिसे 'गुंडी पूजन' कहा जाता है, का उद्देश्य बारिश के बीच शहर के ढहते बुनियादी ढांचे की ओर नागरिक अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करना है। इस मामले में ज्योति वी नामक एक स्थानीय निवासी ने पत्रकारों से बात की और बेंगलुरु के नागरिक निकाय से प्रतिक्रिया की कमी पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि वीडियो और सोशल मीडिया के माध्यम से इस मुद्दे को उजागर करने के उनके प्रयासों के बावजूद कुछ भी नहीं बदला है। विशेष रूप से यात्रियों को काफी असुविधा होती है। मानसून इस समस्या को और बढ़ा देता है, बारिश के पानी से सड़कें नष्ट हो जाती हैं और गहरे गड्ढे दिखाई देने लगते हैं। ये गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं और ड्राइवरों और पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षा जोखिम पैदा करते हैं। समस्या का समाधान करने के अधिकारियों के बार-बार वादे के बावजूद, मरम्मत कार्य अक्सर कम हो जाता है, जिससे निवासी निराश हो जाते हैं।बेंगलुरु में सड़कों पर गड्ढों की असामान्य तरीका अपनाया। एक विरोध प्रदर्शन में उन्होंने वरमहालक्ष्मी दिवस पर अपने पड़ोस में एक विशेष रूप से समस्याग्रस्त गड्ढे पर एक अनुष्ठानिक पूजा आयोजित की। इस जयनगर क्षेत्र के निवासियों ने अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए एक असामान्य तरीका अपनाया। एक विरोध प्रदर्शन में, उन्होंने वरमहालक्ष्मी दिवस पर अपने पड़ोस में एक विशेष रूप से समस्याग्रस्त गड्ढे पर एक अनुष्ठानिक पूजा आयोजित की। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में

मध्य प्रदेश में काम पर लौटे अधिकतर डॉक्टर, बंगाल में हड़ताल जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।कोलकाता में दुष्कर्म के बाद प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर हड़ताल कर

रहे मध्य प्रदेश के अधिकतर डॉक्टर हाईकोर्ट के आदेश पर रविवार को काम पर लौट आए। इसके पहले चिकित्सा संघों ने हड़ताल वापस लेने का निणर्य लिया। मगर कहा कि विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा। हड़ताल खत्म होने से प्रदेश में भोपाल, इंदौर, जबलपुर संभाग के सभी मेडिकल कॉलेजों और निजी व सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था पटरी पर लौटती दिखी। उधर, ग्वालियर में जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म करने की बात तो कही, लेकिन काम शुरू नहीं किया। भोपाल एम्स के डॉक्टरों ने अभी हड़ताल खत्म नहीं की। उनका कहना है कि हड़ताल को लेकर राष्ट्रीय फोरम के निर्देश का इंतजार है। बता दें कि शनिवार को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल को अवैधानिक बताते हुए कहा था कि मरीजों की दिक्कतों को समझते हुए डॉक्टर काम पर लौटें। कोर्ट ने अपने पिछले आदेश का हवाला दिया, जिसमें बिना कोर्ट की अनुमति किसी भी तरह की हड़ताल पर डॉक्टरों के जाने पर रोक लगाई गई थी। इस मामले में कोर्ट 20 अगस्त को भी सुनवाई करेगा। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के प्रवक्ता डॉ. कुलदीप गुप्ता ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के सम्मान में हड़ताल खत्म की गई है, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से दिल्ली की चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई है। स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा को लेकर डॉक्टर सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट (सीपीए) की मांग को लेकर डटे हुए हैं। सोमवार को भी रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी रहेगी। एम्स, सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों, लोकनायक, जीबी पंत, जीटीबी, डीडीयू सहित सभी बड़े सरकारी अस्पतालों में लगातार आठवें दिन भी ओपीडी और नियमित सर्जरी प्रभावित रहेगी। अस्पतालों में कंसल्टेंट व फैकल्टी स्तर के डॉक्टर ओपीडी में बैठेंगे, लेकिन रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल के कारण सभी अस्पतालों में ओपीडी सेवा को सीमित कर दिया गया है।

सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी के बाद भड़की कांग्रेस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बेंगलुरु। कथित भूमि घोटाले को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लगातार आरोप लग रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। अब इसको लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है कांग्रेस का कहना है कि वो इस मामले में विरोध

प्रदर्शन करेगी। उन्होंने इस मामले में राज्यव्यापी प्रदर्शन का एलान किया है। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस उस साजिश के खिलाफ लड़ेगी जिसका उद्देश्य सिद्धारमैया को खत्म करना है। मुख्यमंत्री ने आरोप का खंडन किया है और कानूनी रूप से लड़ने का वादा किया है। इस मामले में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। अब इसको लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है, कांग्रेस का कहना है कि वो इस मामले में विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने इस मामले में राज्यव्यापी प्रदर्शन का एलान किया है कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को तीन कार्यकर्ताओं, टीजे अब्राहम, प्रदीप कुमार एसपी और सन्हेमयी कृष्णा की शिकायतों के आधार पर मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट आवंटन 'घोटाले' में सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी। में हुए कथित भूमि घोटाले को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं उन्होंने रविवार को कहा, 'विरोध रैलियां राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित की जाएंगी। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता इसमें भाग लेंग सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल बिना बात का मामला बना रहे है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, यह 'लोकतंत्र की हत्या' है और कांग्रेस इसका विरोध करेगी।वहीं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि असामाजिक तत्व रैलियों में घुसपैठ न करें और परेशानी पैदा न करें।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

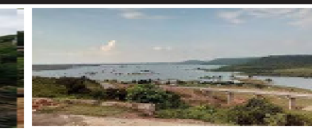

बढ़ौली चौराहे से निपराज मार्ग पूरी तरह गड्ढे में हुआ तब्दील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **सोंनभद्र।** बढ़ौली चौराहे से निपराज मार्ग की हालत अत्यंत दयनीय है। मार्ग पर केवल गड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहे है। पूरी सड़क गड्ढे में तब्दील हो चुकी है।आम जनमानस का उस मार्ग पर चलना जान लेवा,अत्यंत दुष्कर और कष्टकारक हो गया है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ो ग्रामवासी पैदल, सायकिल और वाहनों से आते जाते है पर जगह जगह या पूरी सड़क ही गड्ढे में तब्दील हो जाने के कारण प्रायः दुर्घटनाएं घटित होती रहती है जिससे सड़क पर चलने वाले चोटिल होते रहते है। हर बरसात मौसम में थोड़ा भी पानी बरसने से गड्ढों/सड़क मे पानी भर जाने से चलने में आमजनमानस को बहुत ही दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कारण नगर पालिका परिषद राबर्ट्सगंज,जिला प्रशासन एवम प्रदेश सरकार के प्रति ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। उक्त बातें अधिवक्ता समाज सेवी राकेश शरण मिश्र ने वक्तव्य जारी करते हुए कहा। उन्होंने बताया कि इस मार्ग की मरम्मत को लेकर उनके द्वारा पूर्व में जिलाधिकारी से लेकर सभी जनप्रतिनिधियों को अनेकों बार पत्र लिखा गया है पर अभी तक इस पर काम नहीं लग सका है जो जिला प्रशासन एवम नगर पालिका परिषद राबर्ट्सगंज की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने जिला प्रशासन से माँग किया है कि जल्द से जल्द इस जान लेवा मार्ग को ढक्कन दार नाली के साथ बनवाने का काम करे अन्यथा राहगीरों को इसके लिए धरना प्रदर्शन करना पड़ेगा जिसकी समस्त जिम्मेवारी जिला प्रशासन की होगी।

ये है राखी बांधने के लिए सबसे बढिया मुहूर्त, जन्मतिथि और राशि के अनुसार बांधें राखी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **मिर्जापुर।** राखी पर इस बार भी भद्रा का छाया है। ऐसे में दोपहर 1:31 से शाम 6:30 बजे तक राखी बांधने के लिए सबसे बढ़िया मुहूर्त योग का निर्माण होगा।ज्योतिष शास्त्र में यह योग सुख, समृद्धि और व्यापारिक क्षेत्र में प्रगतिदायक माना जाता है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि और शोभन योग भी संपूर्ण पूर्णिमा 19 अगस्त को रात्रि 11:56 बजे तक रहेगा भविष्यपुराण के अनुसार विधि-विधानपूर्वक रक्षासूत्र धारण करने पर व्यक्ति के समस्त रोग उससे दूर रहते हैं। उसे जीवन

है। रक्षाबंधन पर इस बार फिर भद्रा की छाया रहेगी। भद्रा के कारण दोपहर बाद ही बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। रक्षाबंधन पर बुधादित्य, सर्वार्थ सिद्धि योग और शोभन योग के साथ ही श्रवण नक्षत्र का संयोग बन रहा है। सावन के पांचवें सोमवार का संयोग भी इस त्योहार को बेहद खास बना रहा है। सनन और दान की पूर्णिमा में भक्त गंगा सनन करेंगे काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य पं. दीपक मालवीय के अनुसार रक्षाबंधन पर दो बड़े ग्रह सूर्य और शनि अपनी राशि में रहेंगे। सूर्य अपनी सिंह राशि में रहेंगे तो शनि कुंभ राशि में विराजमान होंगे। सूर्य और बुध दोनों के सिंह राशि में होने से बुधादित्य दिन व्याप्त रहेगा। यह शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माना जाता है। इस दिन श्रवण और धनिष्ठा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। श्रवण नक्षत्र सुबह 8:49 तक रहेगा। इसके बाद धनिष्ठा नक्षत्र संपूर्ण दिन व्याप्त रहेगा। ये दोनों नक्षत्र ही शुभ माने गए है। भद्रा 18 अगस्त की अर्धरात्रि के बाद 3:06 बजे से 19 अगस्त को दिन में 1:31 बजे तक रहेगी। इसलिए भद्रा काल में रक्षाबंधन पर्व मनाना वर्जित है। इसलिए भद्राकाल समाप्त होने के बाद ही रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा। दोपहर 2:02 बजे से शाम 6:30 बजे तक क्रमशः चर, लाभ,अमृत, व चर के अच्छे चौघड़िये रहेंगे। इसलिए इस समय के दौरान रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाना शुभ रहेगा। भर आरोग्य सुख मिलता है। रक्षासूत्र धारण करने पर जाने अनजाने जो भी अशुभ कार्य होते है, वे सभी नष्ट हो जाते हैं। श्रावण पूर्णिमा या रक्षाबंधन पर अपने कुलपुरोहित या श्रेष्ठ विद्वतजन से अपनी कलाई पर रक्षासूत्र अवश्य बंधवाना चाहिए। तत्पश्चात उन्हें यथा सामर्थ्य भेंट व नकद द्रव्य देकर उनसे आशीर्वाद लेना चाहिए ज्योतिर्विद विमल जैन ने बताया कि रक्षाबंधन के पर्व को और अधिक खुशनुमा बनाने के लिए जन्मतिथि और राशि के रंग के अनुसार बहनें यदि राखी बांधें तो भाइयों के सौभाग्य में वृद्धि होगी और उनके जीवन में खुशहाली भी आएगी। सामान्यतः सुनहला, पीला और लाल रंग की राखी बांधने का रिवाज है।

मां भंडारी देवी के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **अहरौरा।** सावन के आखिरी रविवार को मां भंडारी देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मां की चौखट पर मत्था टेकने के लिए श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते रहे। दर्शन-पूजन पूरे दिन चलता रहा।पर्वत शिखर पर विराजमान मां भंडारी देवी शक्तिपीठ की ख्याति हर तरफ है। सावन के रविवार तथा मंगलवार को दर्शन की प्राचीन परंपरा है। सावन का आखरी रविवार होने के चलते दूर-दराज के श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़ रही। दिन भर माता के जयकारे से शक्तिपीठ गुंजायमान रहा। दर्शन-पूजन के बाद पर्वत शिखर पर लगी दुकानों से लोगों ने जरूरत के सामान की खरीदारी की। बच्चों के लिए खिलौने की दुकानें आकर्षण का केंद्र रहीं। मां भंडारी के दर्शन के लिए मंदिर पहुंची महिलाओं ने मान्यता के अनुसार हलवा पुड़ी का भोग लगाकर पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के नेतृत्व में पीएससी तथा पुलिस के जवान मुस्तैद रहे।

घर-घर जाकर संविधान के महत्व को समझाएं कार्यकर्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **मिर्जापुर।** मझवां विधानसभा क्षेत्र का हर कार्यकर्ता अपने आप को अखिलेश यादव समझे। मझवां विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनाव में पार्टी के जोन व सेक्टर प्रभारी पूरी ताकत से अभी से तैयारी में जुट जाएं। ताकि उप चुनाव में हर बूथ पर सपा की जीत हो।ये बातें मझवां विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनाव के लिए सपा की तरफ से प्रभारी बनाए गए चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने रविवार को दोपहर में सबरी स्थित साईं गार्डन में पार्टी के जोन व सेक्टर प्रभारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि सक्रिय यूथ को बूथ पर तैनात करें। जो घर-घर जाकर लोगों को संविधान और आरक्षण के महत्व को समझाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी के जोन व सेक्टर प्रभारी कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क में रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि मझवां विधानसभा उप चुनाव में सपा की

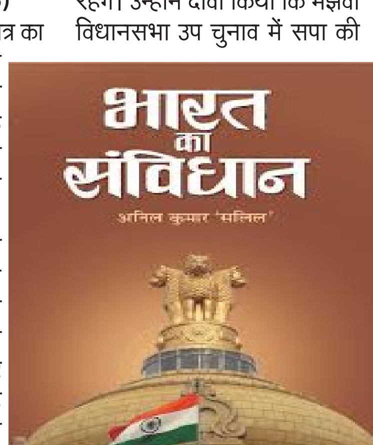

जीत होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जिसको भी प्रत्याशी बनाकर भेजेंगे, उन्हें जिताने की जिम्मेदारी आपकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में व्यापारी परेशान हैं। छात्र-नौजवान सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर रहे हैं। सरकार के पास नौकरी नहीं है। महंगाई से जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि 2027 में प्रदेश में सपा जीत का परचम फहराएगी। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि मझवां विधानसभा उप चुनाव को लेकर बूथ स्तर पर बैठकें की जा रही हैं। नए मतदाताओं के नाम नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने बताया कि मझवां विधानसभा के जोन व सेक्टर प्रभारी की सूची तैयार कर ली गई है। संचालन विधानसभा इकाई के अध्यक्ष झल्लू यादव ने किया। सम्मेलन में पूर्व सांसद रमेश चंद्र बिंद, जगतम्बा सिंह पटेल, शिवशंकर सिंह यादव, राजेंद्र सिंह पटेल, आशीष यादव, मुननी यादव, परवेज खान, रोहित शुक्ला, कीर्ति कोल, संतोष गोयल, सुरेंद्र पटेल, दामोदर मौर्या, राजेश भारती, अमिताभ पांडेय, सतीश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बहन का लड़का ही निकला पति पत्नी के हत्याकांड का मास्टर माइंड

उधार के पैसे न लौटाना पड़े इसलिए अपने ही मौसा व मौसी को उतारा मौत के घाट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **सोंनभद्र।** एसओजी/सर्विलांस व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता, थाना रॉबर्ट्सगंज अन्तर्गत कारोबारी व उनकी पतनी (डबल मर्डर) के हत्या का किया सफल अनावरण, पुलिस मुठभेड़ के उपरान्त हत्या के मास्टर माइन्ड आरोपी सहित 03 अभियुक्त गिरफ्तार थाना रॉबर्ट्सगंज अन्तर्गत कारोबारी धर्मेन्द्र कुमार पटेल पुत्र ईश्वरी प्रसाद उम्र लगभग 48 वर्ष तथा मंजू देवी पतने धर्मेन्द्र पटेल उम्र लगभग 44 वर्ष निवासी ब्रह्मनगर गली नं0-2 थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र की रॉबर्ट्सगंज की उनके व्यवसायिक प्रतिष्ठान के उपर स्थित आवास में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या कर दी थी, साथ ही हत्यारों द्वारा घर में मौजूद सोने व चांदी के आभूषण कीमत लगभग 15 लाख रुपये, 1.5 लाख रुपये नगद व 01 अदद रिवाल्बर 32 बोर व 06 अदद जिन्दा कारतूस, हिसाब-किताब की डायरी, बैंक खातों के पासबुक व चेकबुक तथा भिनन्-भिनन्नामों के बैंक चेक उठा ले गये थे । उक्त घटना के संबंध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 577/2024 धारा 103(1) बी.एन.एस का अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रचलित की गयी थी । घटना के अनावरण के लिए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारु द्विवेदी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज, प्रभारी निरीक्षक एसओजी, प्रभारी सर्विलांस, साइबर थाना तथा चौकी प्रभारी रेनुकूट की पुलिस टीम गठित की गयी थी । उक्त सभी टीमों द्वारा घटना के अनावरण हेतु सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज, मैन्युल जानकारी करते हुए अज्ञात अभियुक्तगण के सम्बन्ध में अथक लगन व परिश्रम के साथ आसूचना संकलन किया जा रहा था । आज दिनांक-18.08.2024 की रात्रि में समय करीब 12.40 बजे मुखबिर की सूचना पर खलियारी-रॉबर्ट्सगंज मार्ग पर स्थित मरकरी पुलिया के पास से पुलिस मुठभेड़ के उपरान्त हत्या के मुख्य आरोपी कुन्दन पटेल उर्फ विशाल पुत्र बबुन्दर पटेल निवासी बभनगवां, थाना पनूगंज, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर लिया गया । इसके उपरान्त गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर उसने घटना में संलिप्त अन्य दो साथियों लवकुश हरिजन पुत्र रामनरायण निवासी ग्राम नौडीहा, थाना पनूगंज, सोनभद्र तथा नागेन्द्र सिंह पटेल पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम गिरियां, थाना रामपुर बरकोनिया, सोनभद्र का नाम लेते हुए हम लोगों ने साजिश रच कर दिनांक 10.08.2024 को मैं और लवकुश ने मेरे रिश्ते के मौसा धर्मेन्द्र सिंह पटेल के घर में घुस कर उनकी व उनके पतिन् की चाकू गोदकर हत्या कर दी थी तथा वहां से सोने व चांदी के आभूषण कीमत लगभग 15 लाख रुपये, 1.5 लाख रुपये नगद व 01 अदद रिवाल्बर 32 बोर व 06 अदद जिन्दा कारतूस, हिसाब-किताब की डायरी, बैंक खातों के पासबुक व चेकबुक तथा भिनन्-भिनन्नामों के बैंक चेक उठा ले गये थे । हत्या के कारण के विषय में और कडाई से पूछने पर अभियुक्त द्वारा बताया गया कि मेरे मौसा मेरे जरिये कई लोगों को ब्याज पर पैसे दे रखे थे जिसका ब्याज हर महीने मैं वसूल कर उन्हे दिया करता था तथा उन्होने मुझे भी करीब 04 लाख ब्याज पर दे रखे थे जिसका ब्याज प्रत्येक महीने मैं उन्हे नगद ब्याज दिया करता था इस लेन देन का हिसाब किताब उनके द्वारा एक डायरी में अंकित किया गया था व जिन्हे भी ब्याज पर पैसा दिया गया था उनसे बैंक चेक लिया गया था तथा मुझे इस बारे में जानकारी थी कि उनके पास काफी मात्रा में नगद व जेवरात है । उनके द्वारा मेरे जरिये ब्याज पर बाटे गये पैसे उनके पास मौजूद नगद व जेवरात के लालच में आकर मेरी नियत खराब हो गयी तब मैंने अपने साथियों के साथ साजिश रच कर हत्या की घटना को अंजाम दे दिया । अन्य 02 साथियों के विषय में पूछने पर अभियुक्त द्वारा बताया गया कि वह उरमौरा के पास मेरा इंतजार कर रहे हैं मैं उन्ही से मिलने जा रहा था । इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा अन्य 02 अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया । बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर पंजीकृत अभियोग में धारा 109(1), 3(5), 309(6), 332(क) भारतीय न्याय संहिता तथा 3/4/25/27 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी की गयी । विवेचना प्रचलित है । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** 1.कुन्दन पटेल पुत्र बबुन्दर पटेल निवासी बभनगवां, थाना पनूगंज, जनपद सोनभद्र उम्र 24 वर्ष । 2.लवकुश पुत्र रामनरायन निवासी नौडीहा,थाना पनूगंज, सोनभद्र उम्र लगभग 22 वर्ष । 3.नागेन्द्र सिंह पटेल पुत्र फूल सिंह पटेल निवासी गिरियां, थाना रामपुर बरकोनिया, सोनभद्र उम्र लगभग 26 वर्ष । **अभियुक्त कुन्दन का अपराधिक इतिहास-** 1.मु0अ0सं0-21/2024 धारा 419, 420, 386, 504, 506 भादवि थाना अदलहाट, मीरजापुर । अभियुक्त नागेन्द्र पटेल का अपराधिक इतिहास- 1.मु0अ0सं0-21/2024 धारा 419, 420, 386, 504, 506 भादवि थाना अदलहाट, मीरजापुर । 2.मु0अ0सं0-22/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना अदलहाट, मीरजापुर । 3.मु0अ0सं0-2/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट भादवि थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र । 4.मु0अ0सं0-189/2022 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट भादवि थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र । 5.मु0अ0सं0-471/2022 धारा 3(2)वी,323, 363,366 376, 504 भादवि पाक्सों एक्ट थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र । 6.मु0अ0सं0-747/2022 धारा 399, 402 भादवि थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र । **बरामदगी का विवरण-** 1.सोने वा चांदी के जेवरात कीमत करीब 15 लाख रुपया । 2.1.39 लाख रुपये नगद 3.01 अददर रिवाल्बर 32 बोर, 03-03 अदद खोखा/जिन्दा कारतूस । 4.एक अदद 315 बोर तमंचा 02 अदद जिन्दा कारतूस । 5.मृतक की डायरी, बैंक चेकबुक, पासबुक । 6.घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक । 7.आला कत्ल चाकू । **गिरफ्तारी करने वाली टीमः-** 1.सत्येन्द्र कुमार राय प्रभारी निरीक्षक थाना रा0गज जनपद सोनभद्र मय टीम । 2.निरीक्षक राम स्वरूप वर्मा प्रभारी स्वाट / एस0ओ0जी0 जनपद सोनभद मय टीम । 3.उ0नि0 नागेन्द्र सिंह प्रभारी सर्विलांस जनपद सोनभद्र मय टीम । 4.उ0नि0 राजेश जी चौबे, चौकी प्रभारी रेनुकूट । 5.उ0नि0 कमलनयन दुबे, चौकी प्रभारी कस्बा, रॉबर्ट्सगंज मय टीम । 6.उ0नि0 चन्द्रशेखर यादव, साइबर थाना, सोनभद्र । 7.उ0नि0 संतोष कुमार सिंह, चौकी प्रभारी नई बाजार, थाना रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र । पुलिस उप महानिरीक्षक विन्ध्याचंल परिक्षेत्र मीरजापुर महोदय द्वारा घटना का सफल अनावरण हेतु पुलिस टीम को 25,000 रुपये के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया ह

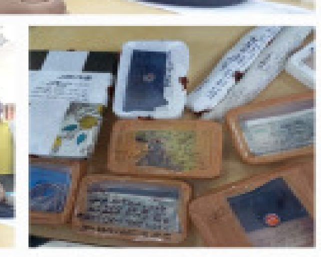

कोन ब्लॉक के पांच सफाईकर्मियों का स्थानांतरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **मिर्जापुर।** जिले के प्रभारी मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के निर्देश पर डीपीआरओ ने कोन ब्लॉक में तैनात पांच सफाईकमिर्यों का स्थानांतरण कर दिया है। उनको कोन ब्लॉक से हटाकर जमालपुर और राजगढ़ ब्लॉक में भेजा गया है।शनिवार को जिले में प्रवास के दौरान प्रभारी मंत्री नंदी ने भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी थीं। इस दौरान कई पदाधिकारियों ने विभिनन् विभागों तथा थानों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की शिकायत की थी। जिस पर प्रभारी मंत्री ने डीएम और एसपी को संबंधित के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया था। इस बीच डीपीआरओ संतोष कुमार ने कोन ब्लॉक के करेरूआ ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मी सुदामा, तिलठी के चंद कुमार, भोगांव के पवन यादव का स्थानांतरण जमालपुर ब्लॉक और ग्राम पंचायत नेवढ़िया में तैनात सफाई कर्मी आनंद कुमार यादव व लालपुर नौडिहा में तैनात सफाईकर्मी पप्पू यादव का स्थानांतरण राजगढ़ ब्लॉक में कर दिया है। प्रभारी मंत्री के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई से अधिकारियों एवं कर्मचारियों में खलबली मची हुई है।

यूपी में माफिया, भ्रष्टाचारियों की सरगना है अखिलेश एंड कंपनी : केशव मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **कछवां।** प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खुले मन से तारीफ की है। मझवां विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा नेता दुनिया में नहीं है। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जैसा मुख्यमंत्री देश में नहीं है। जब इतने अच्छे नेता काम कर रहे हैं तो पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं है। हमें हर क्षेत्र में आगे रहना है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत का इतिहास देखा जाए तो भाजपा सरकार सबसे अच्छा काम कर रही है। डॉ. विनोद बिंद के भदोही से सांसद बनने के बाद मझवां विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव होना है। इसके प्रभारी प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बनाए गए हैं। इसी सिलसिले में उपमुख्यमंत्री रविवार को कछवां नगर पंचायत स्थित पंडित रामकिंकर उपाध्याय विकास विद्यापीठ परिसर पहुंचे। उन्होंने संगठन की बैठक को संबोधित किया। साथ ही चुनाव की तैयारियों की समीक्षा भी की है। उन्होंने डबल इंजन की सरकार की उपलब्धियां बताईं और कहा कि तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे उपमुख्यमंत्री बाद में हैं, पहले कार्यकर्ता हैं। उन्होंने सभी मंत्रियों और विधायकों से कार्यकर्ताओं के मान सम्मान का ध्यान रखने की अपील की।उधर, उप मुख्यमंत्री ने बाद में मीडियाकमिर्यों से बात की और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि देश के कुछ नेता देशविरोधी ताकतों का साथ दे रहे हैं। वे भारत को आत्मनिर्भर बनना नहीं देखना चाहते हैं। यही दुनिया के कुछ देशों की भी मंशा है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कांग्रेस का मोहरा बन चुके हैं। उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से पिछड़ों और दलितों को धोखा देकर अपने पतन की शुरूआत कर ली है। यूपी में माफिया, अपराधियों व भ्रष्टाचारियों का अगर कोई सरगना है तो वह अखिलेश यादव एंड कंपनी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हमें भले ही अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, परंतु 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा दोबारा अपने सामर्थ्य से विपक्षी गठजोड़ को पराजित कर साबित करेगी कि वह अपराजेय है। कार्यकर्ता हमेशा से भाजपा के लिए सर्वोपरि रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समझाया कि संगठन सरकार से बड़ा था, बड़ा है और हमेशा बड़ा रहेगा। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, अनिल राजभर, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया, विधायक रमाशंकर पटेल, रतनकर मिश्रा, राम कुमार विश्वकर्मा, सरोज कुशवाहा, अजय उपाध्याय, शिवशरण सिंह, राजन, डॉ. तरुण सिंह मौजूद रहे उधर, विजयपुरा-भटौली मार्ग पर स्थित डॉ. सरला सराफ पब्लिक स्कूल में आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जिन बूथों पर कम वोट पड़े हैं, कार्यकर्ता उन बूथों पर अपनी सक्रियता बढ़ाएं। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से संवाद भी किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जिले मे डायरिया अलर्ट जारी किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **सोंनभद्र।** वर्तमान डायरिया के प्रकोप को देखते हुए आप सभी अधीक्षक रेस्पान्स टीम त्वरित कार्यवाही के लिए समस्त आवश्यक दवाओ के साथ तैयार रखे। 4-आशा व ग्राम

व एम0ओ0आई0 सी0 को सूचित किया जाता है कि 1 अपने आशा, ए0एन0एम0 व सी एच ओ से प्रतिदिन संपर्क स्थापित करके सूचना प्राप्त करे। 2- शुद्ध पेयजल व साफ सफाई हेतु ग्राम प्रधान व खंड विकास अधिकारी से नियमित वार्ता व बैठक करते रहे। 3--रैपिड प्रधान के माध्यम से जन जागरूकता करवाते रहे। 5- रुमर रजिस्टर व कार्यवाही रजिस्टर जरूर बना ले व प्रतिदिन कि सूचना अंकित करे। 6--समस्त ब्लॉक नोडल से अपेक्षा है कि अपने स्तर से प्रतिदिन उपरोक्त कार्यवाही की समीक्षा करना सुनिश्चित करे।

पापकार्न की नव मशीने लाभार्थियो को वितरण कि गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **सोंनभद्र।** जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व मुख्य विकास अधिकारी श सौरभ द्वारा आज कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित वित्तीय वर्ष 2023-24 के चयनित लाभार्थियों को निःशुल्क 09 नग पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन टूल किट्स का वितरण पात्र लाभाथिर्यों में किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि पापकार्न मशीन के वितरण से रोजगार के साधन विकसित होंगें और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ बढ़ने में काफी मदद मिलेगी। इस मौके पर जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्रीमती किरन श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

स्पोर्ट्स

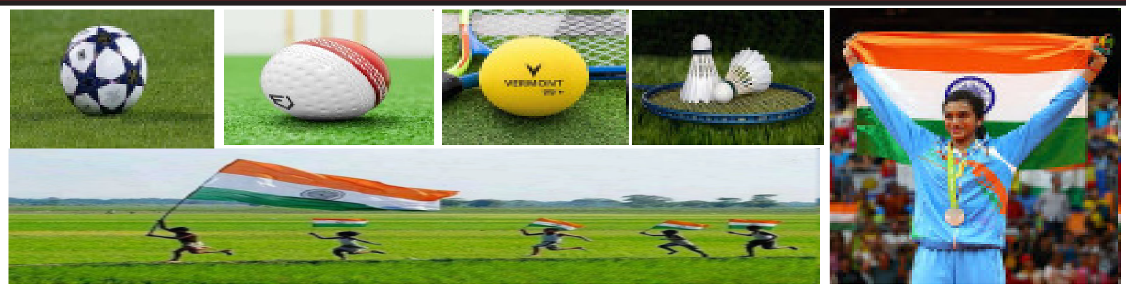

तंबाकू थूको फिर बात करो', कहते हुए श्रेयस अय्यर ने भर दी गरीब की झोली, बीच बाजार में दिखाई दरियादिली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर दलीप ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे। अय्यर को दलीप ट्रॉफी में एक टीम की कप्तानी मिली है। इससे पहले अय्यर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह गरीबों की मदद और फैंस की मांग पूरी करते हुए नजर आ रहे हैं। अय्यर बाजार में शॉपिंग करने निकले थे। वह जब दुकान से बाहर आए तो कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और पैसे मांगने लगे। अय्यर ने बड़ा दिल दिखाया और उनकी मदद की। इस समय अय्यर का ये वीडियो धूम मचा रहा है और फैंस अय्यर की काफी तारीफ कर रहे हैं। अय्यर जैसे ही दुकान से बाहर निकले वहां सिक्योरिटी गार्ड ने उनसे बैट पर ऑटोग्राफ मांगा। अय्यर ने तुरंत उनकी ख्वाहिश पूरी की। इसके बाद गार्ड ने टीम इंडिया की टीशर्ट पर भी उनके साइन लिए और अय्यर ने इससे भी इनकार नहीं किया। इन सभी के बीच एक गरीब औरत वहां कुछ सामान बेच रही थी। अय्यर को देख वह भी मदद मांगने आई और पैसे मांगने लगी। अय्यर जब कार में बैठ रहे थे तब उन्होंने उस औरत को पैसे लिए। वह औरत तंबाकू खा रही थी। इसे देख अय्यर ने कहा, एक मिनट रुकोगे क्या? तंबाकू थूको फिर बात करो। इतना कहने के बाद अय्यर ने कुछ पैसे लिए और उस औरत को दे दिए, जिससे ये औरत काफी खुश हो गई। उसने अय्यर से हाथ भी मिलाया और अय्यर ने इससे इनकार भी नहीं किया। अय्यर फिर अपनी कार का गेट बंद कर वहां से चल दिए। अय्यर हाल ही में श्रीलंका दौरे पर भारत की वनडे टीम का हिस्सा थे लेकिन उनका बल्ला चला नहीं था। तीन मैचों में उनके बल्ले से सिर्फ 38 रन ही निकले थे। पहले मैच में उन्होंने 23 रनों की पारी खेली थी। दूसरे मैच में सात और तीसरे मैच में आठ रन ही बना पाए थे।

कोलकाता रेप केस पर हरभजन सिंह को आया गुस्सा, ममता बनर्जी को लिख डाला ओपन लेटर न्याय में हो रही देरी पर निकाली भड़ास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (आप) से राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने कोलकाता रेप केस में अपनी भड़ास निकाली है और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नाम ओपन लेटर लिखा है। उन्होंने राज्यपाल को भी ये लेटर संबोधित किया है और न्याय में हो रही देरी को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। कोलकाता में नौ अगस्त को सरकार द्वारा चलाए जा रहे आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमीनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर का मामला सामने आया था। इस मामले को लेकर पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। देश भर में इस हादसे को लेकर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। हरभजन ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल के अलावा इस देश की जनता को भी इस लेटर में संबोधित किया है। पूर्व ऑफ स्पिनर ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर ये लेटर पोस्ट किया है। इस लेटर को पोस्ट करते हुए हरभजन ने लिखा, ठकोलकाता रेप एंड मर्डर मामले में न्याय में हो रही देरी के बाद मैंने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राज्यपाल को ओपन लेटर लिखा है जिसमें उनसे फैसले लेने की अपील की है। हरभजन ने लेटर में लिखा, ठये वह हिंसात्मक हरकत है जिसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता, जिसने हम सभी की अंतरात्मा को हिला दिया है। ये सिर्फ एक लड़की के खिलाफ हुआ घिनौना अपराध भर नहीं है, बल्कि समाज में रह रहीं हर महिला की सुरक्षा पर प्रहार है। ये हमारे समाज की जड़ों में फैली बुराइयों का प्रतिबिंब है। इसके साथ ही ये वो अलार्म है जो बताता है कि अधिकारियों द्वारा हमारे सिस्टम में बदलाव लाने की जरूरत है। हरभजन ने लिखा है कि इस अपराध को सप्ताह भर का समय हो गया है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने लिखा, ठडॉक्टर्स जो विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं वो मैं समझता हूं और मैं पूरी तरह से इसके सपोर्ट में हूं, इस न्याय की लड़ाई में मेडिकल समुदाय के साथ हूं।हरभजन ने लिखा, ठमेडिकल कम्यूनिटी पहले से ही काफी चुनौतीपूर्ण हालात में काम कर रही है। इस तरह की स्थिति में जब उनकी ही सुरक्षा दांव पर है, हम कैसे उनसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करने की उम्मीद कर सकते हैं हरभजन ने बंगाल सरकार और सीबीआई से अपील की है कि वह मामले में जल्द से जल्द कोई ठोस कदम उठाएं ताकि न्याय मिल सके।

दलीप ट्रॉफी में 20 साल से नहीं टूटा एक बड़ा रिकॉर्ड, जानिए कौन है टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-5 गेंदबाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अगले महीने से भारत के घरेलू क्रिकेट सीजन की शुरुआत हो रही है। दलीप ट्रॉफी के साथ सीजन की शुरूआत हो रही है। पांच सितंबर से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी जिसमें टीम इंडिया के कई दिग्गज खिलाड़ी खेलेंगे। इस टूर्नामेंट में एक रिकॉर्ड है जो 20 साल से नहीं टूटा है। ये रिकॉर्ड है मध्य प्रदेश के पूर्व गेंदबाज नरेंद्र हिरवानी के नाम। क्या है ये रिकॉर्ड हम आपको बताएंगे। साथ ही बताएंगे कि इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-5 गेंदबाज कौन हैं। दलीप ट्रॉफी जोन वाइस खेला जाता है। इसमें पांच टीमें होती है जो वेस्ट जोन, साउथ जोन, नॉर्थ जोन, ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के नाम से खेलती हैं। भारत के पूर्व लेग स्पिनर हिरवानी जब खेलते थे तो बल्लेबाजों के लिए परेशानी का सबब रहते थे। वह टीम इंडिया के लिए भी खेले। लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनका करियर ज्यादा चला नहीं। हालांकि, एक बड़ा रिकॉर्ड दलीप ट्रॉफी में हिरवानी के नाम है। वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। हिरवानी ने 2004 में क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और तब से लेकर अभी तक 20 साल हो गए, लेकिन उनका रिकॉर्ड टूटा नहीं है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

मोहम्मद शमी की मैदान पर वापसी को लेकर आया बड़ा अपडेट, जानिए कब होगा स्टार गेंदबाज का कमबैक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टखने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम बंगाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने की संभावना है। वह इसके बाद न्यूजीलैंड के विरुद्ध तीन मैचों की सीरीज में किसी एक टेस्ट मैच में खेल सकते है समझा जाता है कि शमी 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश और 18 अक्टूबर को बिहार के खिलाफ बंगाल के शुरुआती दो रणजी मैचों में किसी एक मैच में खेल सकते हैं। इन दोनों मैचों के बीच सिर्फ दो दिन का समय है ऐसे में इस बात की संभावना कम है कि वह दोनों मैचों का हिस्सा होंगे। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज 19 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरू होगी, उसके बाद पुणे (24 अक्टूबर) और मुंबई (एक नवंबर) में टेस्ट मैच खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे पर जाने से पहले शमी के इनमें से एक मैच खेलने की उम्मीद है। भारत के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक 34 साल के शमी आस्ट्रेलिया के विरुद्ध पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेले गए वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से टीम से बाहर है इस साल फरवरी में इंग्लैंड में उनके टखने की सर्जरी हुई थी जिसके बाद वह छह महीने के लिए खेल से दूर हो गये थे। इंस्टाग्राम पर साझा कुछ वीडियो में शमी बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने आरटीपी रूटीन (खेल में वापसी) में छोटे रनआप के साथ कम गति वाली गेंदबाजी करते देखे गए हैं। पहले ऐसी खबरें थीं कि वह दलीप ट्राफी के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

डीपीएल में ऋतिक शौकिन का हैरतअंगेज कैच, हवा में उड़कर लपकी गेंद, कमेंटेटर भी रह गए दंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे मैच में वेस्ट दिल्ली लॉयंस का सामना नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स से है। इस मैच में वेस्ट से भागते हुए छलांग लगाई और हवा में दोनों हाथों से कैच लपक लिया। इस कैच को देख हर कोई हैरान रह गया। कमेंट्री कर रहे विवेक राजदान भी इस कैच को

दिल्ली की कप्तानी कर रहे ऋतिक शौकिन ने हैरतअंगेज कैच लपक सभी को हैरान कर दिया और अपनी टीम को अहम सफलता दिला दी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में वेस्ट दिल्ली ने टॉस जीता और नॉर्थ दिल्ली को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। नॉर्थ दिल्ली पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाई। पूरे 20 ओवर खेलने के बाद भी ये टीम आठ विकेट खोकर 144 रन ही बना सकी।नॉर्थ दिल्ली की पारी का 16वां ओवर फेंका जा रहा था। गेंदबाजी कर रहे थे रोहित यादव। रोहित ने गेंद ऑफ स्टंप के थोड़ी सी बाहर फेंकी। सामने थे बल्लेबाज वैभव रावल। वैभव ने अपने आप को रूम दिया और मिड ऑफ के ऊपर से मारने की कोशिश की, लेकिन वहां खड़े शौकिन ने थोड़ा देख अपने आप को रोक नहीं पाए बल्लेबाज वैभव भी इस कैच को देख यकीन नहीं कर पाए की वह आउट हो गए हैं। उन्होंने झननटेदार शॉट मारा था जिसे शौकिन ने लपक लिया। वैभव ने 29 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 36 रन बनाए। वह टीम के दूसरे सर्वोच्च स्कोरर रहे। यश भाटिया ने 28 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 37 रनों की पारी खेली और वह टीम के बेस्ट स्कोरर रहे। इन दोनों के अलावा सलामी बल्लेबाज वैभव कंदपाल ने 22 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 29 रनों की पारी खेला वेस्ट दिल्ली के लिए अखिल चौधरी ने चार विकेट अपने नाम किए। नवदीप सैनी, रोहित यादव, शौकिन, शिवांक वशिष्ट ने एक-एक विकेट लिया।

भारत से 10 साल का बदला लेने पैट कमिंस ने लिया आठ सप्ताह का ब्रेक, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में करेंगे कसर पूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने इस साल के आखिर में भारत के विरुद्ध बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए होने वाली पांच टेस्ट मैच की सीरीज को ध्यान में रखते हुए आठ सप्ताह का ब्रेक लिया है। ऑस्ट्रेलिया में गमिर्यों के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उन्होंने खुद को तरोताजा रखने के लिए विश्राम करने का निणन्य किया है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया है। कमिंस ने कहा, ब्रेक के बाद वापसी करने पर हर कोई तरोताजा महसूस करता है। आपको इसका कभी अफसोस नहीं होता। मैं लगभग 18 महीने पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से लगातार गेंदबाजी कर रहा हूं। इस ब्रेक से मुझे सात या आठ सप्ताह तक आराम करने का समय मिल जाएगा। इसके बाद मैं तरोताजा होकर गमिर्यों के लिए तैयारी शुरू कर सकता हूं। ऑस्ट्रेलिया ने बीते 10 साल से भारत के खिलाफ कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। ऑस्ट्रेलिया ने 2014-15 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2-0 से जीतने के बाद से भारत के विरुद्ध अगली चार सीरीज गंवाई हैं। इनमें से दो सीरीज विराट कोहली (2016-17, 2018-19) की अगुआई में जबकि एक-एक अजिंक्य रहाणे (2021) और रोहित शर्मा (2023) की अगुआई में खेली गई। इस बार कमिंस की कप्तानी में अपने घर में ऑस्ट्रेलियाई टीम इस काम को करना चाहेगी वहीं भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में लगातार दो बार हराया है। 2018-19 में भारत ने विराट कोहली की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराया था। वहीं 2021 में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में फिर ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में मात दी थी। रोहित शर्मा इस बार अपनी कप्तानी में इस प्रथा को जारी रखना चाहेंगे और टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीत हैट्रिक लगाने की कोशिश करेगी।

रिंकू सिंह ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरा किया 1 साल, इंस्टाग्राम पर लिखी दिल की बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा क्रिकेटर और बेहतरीन फिनिशर की छवि बनाने वाले रिंकू सिंह ने रविवार यानी 18 अगस्त को इंटरनेशनल क्रिकेट में एक साल पूरा कर लिया है। इस मौके पर रिंकू ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखी है। इस पोस्ट पर टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रिंकू सिंह का ट्रेड मार्क डायलॉग कमेंट में लिखा है रिंकू ने 18 अगस्त 2023 को आयरलैंड के खिलाफ डबलिन में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह आईपीएल-2023 में आखिरी ओवर में लगातार पांच छक्के मार कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाकर सुखिर्यों में आए थे। यहीं से उनके लिए टीम इंडिया के दरवाजे खुले थे। रिंकू सिंह ने अपने डेब्यू मैच में मिली कैप के साथ फोटो पोस्ट की है और इसके कैप्शन में लिखा है, ठसपने को हकीकत में बदले एक साल हो गया है। नीले रंग की जर्सी में हर पल शानदार रहा। जय हिंद।ठ इस पर सूर्यकुमार यादव ने कमेंट किया है और रिंकू का ट्रेड मार्क डॉयलॉग हैशटैग के साथ लिखा है। सूर्यकुमार ने लिखा, क्या शानदार खिलाड़ी। गॉड्स प्लान।ये गॉड्स प्लान रिंकू का डायलॉग है जो वह कई बार सोशल मीडिया पर लिखते रहते हैं। रिंकू ने अभी तक टीम इंडिया के लिए 23 टी20 मैच खेले हैं और 59.17 की औसत से 418 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 174.16 का रहा है। उनके बल्ले से दो अर्धशतक भी निकले हैं। वहीं रिंकू ने भारत के लिए दो वनडे मैच खेले हैं जिसमें 55 रन ही बनाए हैं।

ईशान किशन ने दो छक्के लगा टीम को दिलाई जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ईशान किशन इस समय बुची बाबू टूर्नामेंट में अपने राज्य झारखंड की कप्तानी कर रहे हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी शानदार बैटिंग से टीम को जीत दिला दी। झारखंड का सामना मध्य प्रदेश से था। इस मैच में ईशान ने शानदार शतक जमाया और टीम की जीत का कारण बने। आखिरी समय पर जब मैच फंसा तो ईशान की तूफानी बल्लेबाजी टीम के काम आ गई। बुची बाबू टूर्नामेंट से ईशान ने वापसी की है। साल की शुरुआत में घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज करने के बाद बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए फरमान के बाद ईशान ने घरेलू क्रिकेट को तवज्जो दी है। ईशान को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में जगह भी नहीं मिली थी। झारखंड ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पहली पारी में बढ़त ले ली थी और उसे दूसरी पारी में 175 रनों का टारगेट मिला था। झारखंड ने चौथे दिन की शुरुआत एक विकेट के नुकसान पर 37 रनों के साथ की। ईशान ने टारगेट के आधे से ज्यादा रन बनाए। दूसरे छोर से लगातार विकेट गिर रहे थे। झारखंड को आखिरी समय में जीत के लिए 12 रन चाहिए थे और उसके दो ही विकेट बचे थे। ईशान के सामने थे आकाश राजावत। राजावत ने 55वें ओवर की पहली गेंद को छोड़ने के बाद ईशान ने अगली गेंद पर छक्का मारा। फिर अगली गेंद खाली गई। ईशान ने फिर अगली गेंद पर छक्का मार टीम को जीत दिला दी। ईशान ने जिस तरह की बल्लेबाजी की है उससे उन्होंने निश्चित तौर पर टीम इंडिया के नए कोच गौतम गंभीर का ध्यान खींचा होगा। ईशान लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर है और इस शतक के दम पर वह टीम इंडिया में वापसी का दावा ठोक सकते हैं। ऋषभ पंत का बल्ला इस समय खास चल नहीं रहा है। श्रीलंका के खिलाफ वह नाकाम रहे। दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले मैच में भी पंत का बल्ला नहीं चला। वह अपना तूफानी अंदाज नहीं दिला सके।

सम्पादकीय

सेबी की कहानी का सच लगातार पीछे क्यों जा रहा चीजें वैसी नहीं हैं जैसी वे दिखती हैं

अगर आप अंधविश्वास, नाटक और अराजकता को हटा दें तो किसी कहानी में से आप सच को पा लेंगे। लेकिन सेबी की कहानी का सच लगातार पीछे क्यों जा रहा है अगर आप अंधविश्वास, नाटक और अराजकता को हटा दें तो किसी कहानी में से आप सच को पा लेंगे। लेकिन सेबी की कहानी का सच लगातार पीछे क्यों जा रहा है मुख्य सवाल यह था कि एक व्यावसायिक समूह में निवेश का स्रोत क्या था? समूह ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया और दावा किया कि पैसा वैध था। संदेह करने वालों ने आरोप लगाया कि पैसा ओवर-इनवॉइसिंग और राउंड-ट्रिपिंग के माध्यम से था और यह अवैध था। सेबी ने मामले की जांच की और कहा कि पहली नजर में कुछ भी गलत नहीं पाया गया, लेकिन संदेहकर्ता इससे संतुष्ट नहीं थे। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए न्यायाधीश सप्रे की निगरानी में पांच सदस्यों की समिति को जांच कर रिपोर्ट देने को कहा। यहां यह जानना महत्वपूर्ण है कि जस्टिस सप्रे समिति ने क्या पाया और क्या नहीं? समिति ने पाया कि इसमें 13 निवेशक थे, जिनमें से 12 विदेशी पोर्टफोलियो वाले निवेशक (एफपीआई) थे। इससे लाभ प्राप्त करने वाले प्रत्येक एफपीआई मालिक के नाम उजागर किए गए, लेकिन इस कड़ी के आखिरी निवेशक का नाम नहीं बताया गया, क्यों? क्योंकि इस अंतिम निवेशक का नाम उजागर करने की जरूरत 2018 में खत्म कर दी गई थी। सेबी ने फिर भी अक्तूबर 2020 से 13 विदेशी संस्थाओं के स्वामित्व की जांच की, लेकिन उसका नतीजा कुछ भी नहीं निकला। समिति की टिप्पणी तीखी थी- इस तरह की जानकारी के बिना सेबी स्वयं के द्वारा किए जा रहे संदेह को संतुष्ट करने में असमर्थ है। प्रतिभूति बाजार नियामक को इस बात की आशंका है कि कुछ गलत हुआ है, लेकिन यह भी पाया गया कि संबंधित नियमों में विभिनन्‍ शर्तों का पालन भी किया गया है। ऐसे में देखा जाए तो यह रिकॉर्ड मुर्गी और अंडे वाली स्थिति को दिखाता है।इससे जुड़े सवाल पर कि क्या लाभार्थी मालिक, निवेश करने वाली कंपनियों के 'संबंधित पक्ष' थे, समिति ने पाया कि 'संबंधित पक्ष' और 'संबंधित पक्ष लेन-देन' की शर्तों में नवंबर 2021 में कई तरह के संशोधन किए गए, लेकिन 1 अप्रैल, 2022 से लेकर 1 अप्रैल, 2023 तक संभावित प्रभाव देखने को मिला। कंपनी के इस पहलू पर भी समिति की टिप्पणी तल्ख ही थी- इस तरह संभावित तरीके से शर्तें बनाने से संबंधित पार्टी से लेन-देन को नियंत्रित करने वाले नियमों में छिपे सिद्धांतों का परीक्षण करने की व्यवहार्यता खत्म हो गई है।इसके बाद भी सेबी ने 24 मामलों में अपनी जांच जारी रखी। जब समिति की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई तो अदालत ने उसकी दलीलों को सुना और 3 जनवरी, 2024 के एक आदेश द्वारा सेबी की कार्रवाई को बरकरार रखा। कोर्ट ने सेबी को यह निर्देश भी दिया कि तीन महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करे, अब तक सात महीने गुजर चुके हैं। सबने यह सोचा कि शॉर्ट सेलर, हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों को जनवरी 2024 में ही खत्म कर दिया गया, लेकिन अगस्त में यह एक बार फिर सुर्खियों में तब आ गया, जब उसने सेबी के चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच के खिलाफ आरोप लगाए। माधवी बुच को अप्रैल 2017 में सेबी का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया था। अपना कार्यकाल पूरा करने के एक अंतराल बाद 1 मार्च, 2022 को उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जब 2018 और 2021-24 में महत्वपूर्ण निणन्‍य लिए गए तो माधवी बुच सेबी में निणन्‍य लेने वाले पद पर थीं। सबने यह सोचा कि शॉर्ट सेलर, हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों को जनवरी 2024 में ही खत्म कर दिया गया, लेकिन अगस्त में यह एक बार फिर सुर्खियों में तब आ गया, जब उसने सेबी के चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच के खिलाफ आरोप लगाए। माधवी बुच को अप्रैल 2017 में सेबी का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया था। अपना कार्यकाल पूरा करने के एक अंतराल बाद 1 मार्च, 2022 को उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जब 2018 और 2021-24 में महत्वपूर्ण निणन्‍य लिए गए तो माधवी बुच सेबी में निणन्‍य लेने वाले पद पर थीं। माधवी बुच के खिलाफ आरोप ये हैं कि उनके निणन्‍य व्यक्तिगत रुचि से प्रभावित हैं। ऐसा लगता है कि उनके और पति के कंपनियों में कुछ आर्थिक हित थे, जिनकी जांच सेबी ने की थी और जस्टिस सप्रे समिति ने उसकी समीक्षा की थी। माधवी बुच ने अपने निवेश को स्वीकार किया, लेकिन उसका स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि ये निवेश तब किए गए थे, जब वह और उनके पति प्राइवेट सिटीजन थे। जब माधबी पुरी की नियुक्ति सेबी में हुई तो उन्होंने इस निवेश को भुना लिया।

क्रांतिकारियों ने बलिदान से लिखी क्रांति और सामाजिक सद्भाव की इबारत, सौवें वर्ष में भी स्मरणीय

एक शताब्दी पूर्व काकोरी के क्रांतिकारियों ने देश की मुक्ति के साथ सामाजिक सद्भाव की जिस इबारत को अपने बलिदान से रचा, वह आज भी स्मरणीय है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गांधी जी के असहयोग आंदोलन (1921) को क्रांतिकारियों ने धैर्य के साथ देखा था, लेकिन चौरा-चौरी में हुई हिंसा के बाद उस जनावेग को एकाएक रोक दिए जाने से विप्लवमार्गी ही नहीं, गांधी जी के सहयोगी भी नाराज और निराश हो गए थे। ऐसे में क्रांतिकारियों ने पहली बार अखिल भारतीय स्तर पर 'हिंदुस्तान प्रजातंत्र संघ' (एचआरए) नाम से नए दल का गठन करके उसका संविधान रचा, जिसमें कहा गया था कि वे ऐसे समाज का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें एक मनुष्य द्वारा दूसरे मनुष्य का और एक राष्ट्र द्वारा दूसरे राष्ट्र का शोषण संभव नहीं होगा। इस दल के 10 नौजवानों ने रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में नौ अगस्त, 1925 को लखनऊ में काकोरी के निकट एक सवारी रेलगाड़ी को रोक कर सरकारी खजाना लूट लिया, जिसमें अशफाकउल्ला खां, मन्मथनाथ गुप्त, कुंदनलाल गुप्त, शचीन्द्रनाथ बख्शी, चंद्रशेखर आजाद, मुकुंदीलाल, मुरारीलाल, केशव चक्रवर्ती और बनवारी लाल शामिल थे। इस घटना से ब्रिटिश सरकार भौंचक्की रह गई। क्रांतिकारियों का ब्रितानी हुकूमत पर यह सीधा प्रहार था, जो बहुत कारगर सिद्ध हुआ। पकड़े गए क्रांतिकारियों पर लखनऊ में 18 महीने चले इस मुकदमे को देशव्यापी ख्याति मिली, जिसमें बिस्मिल, अशफाकउल्ला और रोशनसिंह को 19 दिसंबर, 1927 को फांसी पर चढ़ा दिया गया, जबकि राजेंद्र लाहिड़ी को अज्ञात कारणों से दो दिन पूर्व ही 17 दिसंबर, 1927 को गोंडा जेल में फांसी दे दी गई। काकोरी कांड की विशेषता यह थी कि देश की क्रांतिकारी गतिविधियां, जो पहले छापेमार लड़ाइयों के रूप में जारी थीं, वे एकजुट होकर एक बड़े दल और तीव्र विचारवान अभियान के तौर पर सामने आईं। असल बात यह है कि असहयोग आंदोलन की निराशाजनक समाप्ति के बाद भारतीय राजनीति में जो एक खालीपन आ गया था, उसे भरने में इस क्रांतिकारी कार्रवाई ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस घटना ने देश का ध्यान सांप्रदायिकता से स्वतंत्रता संग्राम की ओर भी मोड़ा। काकोरी शहीदों का बलिदान देश की सर्वाधिक रोमांचकारी घटना बनी और इस संघर्ष में अशफाकउल्ला की उपस्थिति और सक्रियता ने उसे ऐसे साझे संघर्ष और साझी शहादत का दर्जा दे दिया, जो पूर्व में दुर्लभ था। बिस्मिल और अशफाक भिनन्‍ धार्मिक आस्थाओं के होते हुए देश की आजादी के लिए साझे मार्ग के राही बने। उन्होंने स्वतंत्रता-प्राप्ति के रास्ते में धर्म को बाधक नहीं बनने दिया। अशफाक अपने क्रांतिकारी जीवन में निरंतर दृढ़तर होते चले गए। मुकदमे के दौरान उन्हें माफ करने और विदेश भेजने का लालच भी दिया गया, पर वह डिगे नहीं। अशफाक ने किसानों और मजदूरों की ताकत को पहचाना और पहली बार कम्युनिस्ट सिद्धांतों की वकालत की। बिस्मिल ने भी अंतिम दिनों में नौजवानों से अपने संदेश में कहा था कि वे रिवॉल्वर या पिस्तौल का मोह त्याग कर वास्तविक साम्यवादी बनने का प्रयतन्‍ करें। फांसी से दो दिन पहले तक गोरखपुर जेल की कालकोठरी में लिखी गई बिस्मिल की आत्मकथा हिंदी जीवनी-साहित्य का अमूल्य दस्तावेज होने के साथ क्रांतिकारी आंदोलन के इतिहास के उस कालखंड का निष्पक्ष मूल्यांकन भी है, जिसमें वह स्वतंत्रता के युद्ध को आगे बढ़ाने के लिए हथियार ही नहीं, बल्कि प्रचार और साहित्य को एक जरूरी माध्यम समझने लगे थे। बिस्मिल स्वयं कलम के बहुत धनी थे। अपने जीवन काल में उन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों के मध्य अनेक पुस्तकों की रचना की। अपने जीवन के अंतिम दौर में बिस्मिल को लगने लगा था कि अभी जनता क्रांतिकारी संघर्ष को उतना समर्थन नहीं दे रही है, जितना अपेक्षित है। यह बिस्मिल का निराशावाद नहीं है, बल्कि क्रांति के पूर्व वैचारिक चेतना के निर्माण के लिए की जाने वाली जरूरी कार्यवाई की जरूरत थी। काकोरी केस में पकड़े गए क्रांतिकारी दामोदर स्वरूप सेठ और राजेंद्र लाहिड़ी जेल से अदालत जाते समय 'भारतीय प्रजातंत्र की जय' के नारे लगाते थे, जबकि कांग्रेस बहुत आगे चलकर भी 'पूर्ण स्वतंत्रता' को लक्षित नहीं कर पाई थी। काकोरी की फांसियों के बाद चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में दल के पुनर्गठन के समय भगत सिंह के सुझाव पर पार्टी के नाम में 'समाजवादी' शब्द जोड़कर उन्होंने पार्टी का लक्ष्य और भी स्पष्ट कर दिया था। एक शताब्दी पूर्व काकोरी के क्रांतिकारियों ने देश की मुक्ति के साथ सामाजिक सद्भाव की जिस इबारत को अपने बलिदान से रचा, वह आज भी स्मरणीय है।

सिर्फ तनाव से नहीं उड़ता बालों का रंग; थायरॉयड का अधिक या कम सक्रिय होना भी है कारण

अगली बार जब आप किसी युवा के बाल असमय सफेद देखें, तो तनाव को इसकी वजह बताकर उसका तनाव और न बढ़ाएं। बालों की सफेदी को अक्सर बुढ़ापे या बुजुगिर्‍यत से जोड़ा जाता है, लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता। आजकल तो कम उम्र के युवाओं के बाल भी सफेद होने लगते हैं। अब कहा जाने लगा है कि तनाव के कारण बाल सफेद हो जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बालों की सफेदी को तनाव से जोड़ने का कोई तार्किक आधार नहीं है। कुछ अध्ययनों में समय से पहले बालों के सफेद होने का संबंध तनाव से जोड़ा गया है, लेकिन किसी भी अध्ययन में अब तक इसे साबित नहीं किया गया है। उत्तरी कैलिफोनिर्‍या के कैसर परमानेंट वैलेजो मेडिकल सेंटर में त्वचा विशेषज्ञ डॉ. पारादी मिरमीरानी ने कहा, 'इस संबंध में अब भी बहुत कुछ ऐसा है, जिसके बारे में हम नहीं जानते हैं।'वर्ष 2021 में मनुष्यों के एक छोटे समूह पर अध्ययन करते हुए शोधकर्ताओं ने 14 स्वयंसेवकों के बालों के नमूने चुने, जिनके बाल कुछ हद तक सफेद हो चुके थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि सबसे तनावपूर्ण क्षण में ही लोगों के बाल सफेद हुए। कलंबिया विश्वविद्यालय में व्यवहार चिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक मार्टिन पिकार्ड ने कहा कि यह पहली बार था, जब किसी अध्ययन ने विशिष्ट तनावपूर्ण घटनाओं को बाल सफेद होने से जोड़ा। शोधकर्ताओं का मानना है कि अगर ऐसे शोध जारी रहते हैं, तो एक दिन ऐसे उपचार सामने आ सकते हैं, जो बालों को फिर से काला कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए अब बड़े मानव समूहों पर शोध की आवश्यकता है। शिकागो विश्वविद्यालय में त्वचाविज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बारबोसा कहती हैं कि ज्यादातर लोगों के बाल सफेद होने का मुख्य कारण आनुवंशिकी है। अगर आपके माता-पिता में से किसी के बाल कम उम्र में सफेद हो गए हैं, तो आपके भी बाल सफेद होने की आशंका है। वह कहती हैं कि कुछ चिकित्सीय स्थितियों के कारण भी बाल जल्दी सफेद हो सकते हैं। थायरॉयड का अधिक या कम सक्रिय होना और कीमोथेरेपी के चलते भी बाल जल्दी सफेद हो सकते हैं। आयरन, कैल्शियम, विटामिन बी12 और डी की कमी भी बाल जल्दी सफेद होने के कारण हैं, साथ ही मोटापा और धूम्रपान भी। तो अगली बार अगर आप किसी के बाल असमय सफेद देखें, तो तनाव की बात करके उसे और तनाव न दें।

महिलाओं के लिए क्या है 'स्वतंत्रता' का अर्थ, आखिर उनको कब मिलेगी डर से आजादी

कोलकाता इन दिनों 31 वर्षीय एक पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की वजह से सुर्खियों में है। वहां हजारों लोगों ने स्वतंत्रता और बिना किसी डर के जीने की आजादी की मांग करते हुए मार्च किया। आखिर महिलाओं को सुरक्षा मांगने की जरूरत क्यों पड़ती है?हमारे पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन हमें उन मुद्दों पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए, जो पीछे ले जा रहे हैं। जब लाखों भारतीय महिलाएं भय से मुक्ति का आनंद नहीं ले पाती हैं, जब वे अपने रोजमर्रा के जीवन में असुरक्षित महसूस करती हैं, तो उनके लिए 'स्वतंत्रता' शब्द का क्या अर्थ है? सुरक्षा हर इन्सान का मौलिक अधिकार है-चाहे वह पुरुष हो या महिला। किसी भी महिला को सुरक्षा और आकांक्षाओं में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में, जहां मैं अभी हूं, मुझे अपने विशेषाधिकार का एहसास होता है। मैं बिना किसी डर के अकेले सड़कों पर चलती हूं, देर रात सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करती हूं। मैं थाई नहीं बोलती, लेकिन जब भी मैं बाहर जाती हूं, तो पीछे मुड़कर नहीं देखती हूं कि कौन मेरा पीछा कर रहा है, चाहे मैं अकेले होऊं या देर रात हो। इसकी कोई जरूरत नहीं है। इस शहर में एक संपनन्‍ सड़क अर्थव्यवस्था है; सड़कों पर कई अकेली महिलाएं विभिनन्‍ तरह के उत्पाद बेचती हैं, जो देर रात तक काम करती हैं। वे अकेले सड़क पर चलने से नहीं डरतीं। यह एक आदर्श स्थिति है और दुनिया के हर शहर में ऐसा ही होना चाहिए। कोलकाता, जहां मेरा जन्म हुआ और जहां मैं पली-बढ़ी, इन दिनों आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल की एक 31 वर्षीय पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल छात्रा के साथ बीते नौ अगस्त को हुए भयानक दुष्कर्म और हत्या की वजह से सुर्खियों में है। इस घटना ने कोलकाता शहर और पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। देश भर में डॉक्टरों, मेडिकल छात्रों और नागरिक समाज द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ है। चिकित्सा बिरादरी, विशेष रूप से महिला डॉक्टरों का कहना है कि उनकी लड़ाई सुरक्षा के खतरों, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, अपर्याप्त सुरक्षा और महिलाओं की अस्मत से खिलवाड़ करने वाले वरिष्ठों के खिलाफ है। दुष्कर्म का शिकार हुई मेडिकल छात्रा (जूनियर डॉक्टर) ने लगातार 36 घंटे की पाली में काम किया था और वह थोड़ा आराम करना चाहती थी। लेकिन वहां इसके लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं थी। इसलिए वह खाली पड़े सेमिनार हॉल में जाकर सो गई। उसके बाद जो हुआ, वह एक भयावह कहानी है, जिसके बारे में हाल में अखबारों के पहले पनन्‍े पर छपा है। इस घटना के बारे में बहुत से तथ्य ऐसे हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। लेकिन हम जो जानते हैं, वह जवाबदेही की भारी कमी की ओर इशारा करता है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्रिंसिपल के कामकाज को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिन्होंने विरोध प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया है, लेकिन वह अब भी जवाबदेह हैं। स्थानीय पुलिस और राज्य सरकार से भी जायज सवाल पूछे जा रहे हैं। दुष्कर्म और हत्या के विवरण ऐसे कई मुद्दों को उजागर करते हैं, जिन पर तत्काल प्रतिक्रिया की आवश्यकता है, न कि त्वरित समाधान की। इनमें से कई मुद्दे चिकित्सा समुदाय से जुड़े हैं। ड्यूटी पर तैनात महिला डॉक्टरों के आराम के लिए सुरक्षित जगह की कमी, जो इस घटना का मूल कारण है, केवल कोलकाता या पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है। केंद्र संचालित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 2001 में काम कर चुकी एक महिला डॉक्टर ने बताया, 'दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में कोई ड्यूटी रूम नहीं था। हम सीसीयू (कार्डियक केयर यूनिट) में दो कुसिर्‍यों पर सोते थे।' ऐसे कई अन्य प्रशन्‍ हैं, जो आम भारतीय महिलाओं के दैनिक जीवन में सुरक्षा को प्रभावित करते हैं, चाहे वे कुछ भी कर रही हों या कहीं भी हों। कोलकाता और उसके उपनगरों में हजारों लोगों ने 'रिक्लेम द नाइट' मार्च में हिस्सा लिया और 'स्वतंत्रता और बिना किसी डर के जीने की आजादी' की मांग की। यह एक बुनियादी जरूरत है। हजारों लोगों ने सरकारी अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के बलात्कार और हत्या की निंदा की और महिलाओं की बेहतर सुरक्षा के लिए प्रदर्शन किया। आखिर महिलाओं को सुरक्षा मांगने की जरूरत क्यों पड़ती है? भारतीय संविधान, खासकर अनुच्छेद 14 और 21 महिलाओं को भी मौलिक और समान अधिकारों की गारंटी देता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। शर्मनाक बात यह है कि देश में ज्यादातर जगहों पर महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। जब सड़कों, सार्वजनिक स्थलों और कार्यस्थलों पर महिला सुरक्षा की बात आती है, तो कोई भी राजनीतिक दल इस मामले पर कुछ नहीं बोलता। बहुत-सी महिलाएं तो अपने घर की चाहरदिवारी में भी सुरक्षित नहीं हैं। लाखों भारतीय महिलाओं को अब भी चुप रहने के लिए कहा जाता है और पीडि़ता को ही दोषी ठहराया जाता है, जिससे यौन शोषण की शिकार बची हुई महिलाओं के लिए कानूनी और सामाजिक सहायता प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। कोलकाता में हुई दुष्कर्म की घटना 2012 में दिल्ली में 23 वर्षीय छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और हत्या से मिलती-जुलती है, जिसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए थे और भारत में महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठे थे। बलात्कारियों और हत्यारों को मौत की सजा देने के प्रावधान से भी महिलाओं को कोई राहत नहीं मिली है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने अकेले 2022 में 31,516 दुष्कर्म के मामले दर्ज किए। राजस्थान में सबसे ज्यादा 5,399 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद उत्तर प्रदेश (3,690) और मध्य प्रदेश (3,029) का स्थान रहा। ये सिर्फ दर्ज मामले हैं, वास्तविक आंकड़े तो कहीं ज्यादा होंगे। अब एक बार फिर दोषियों को मौत की सजा देने की बात हो रही है। लेकिन इससे महिलाएं सुरक्षित नहीं होंगी। जरूरत है, पारदर्शिता और जवाबदेही की। भारत में महिलाओं को हमेशा सतर्क रहने की आदत हो गई है। इसका महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य और उनकी आकांक्षाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। राजनीतिक दलों को संकीर्णता से ऊपर उठकर इसे राष्ट्रीय मुद्दा मानना चाहिए। यानी राजनीतिक दलों को कुछ बलात्कारियों को बचाने और अन्य के खिलाफ मुखर होने की प्रवृत्ति नहीं अपनानी चाहिए। जनता उनके पाखंड को देख रही है। भारत अगले तीन वर्षों में 50 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहता है। एक कामकाजी महिला और एक मां होने के नाते मेरी राजनेताओं और प्रशासकों से अनुरोध है कि वे सबसे पहले महिलाओं को सुरक्षा दें। जब महिलाएं सुरक्षित महसूस करेंगी, तभी देश तरक्की करेगा।

भारत से '71' में ही हो गई थी बड़ी चूक, तभी करा देना था अल्पसंख्यकों की रक्षा का प्रावधान

भारत ने जब बांग्लादेश को आजाद करवाया, तो उसी वक्त उसके संविधान में अल्पसंख्यकों की रक्षा का प्रावधान करवा देना चाहिए था। बांग्लादेश में हिंसा और विरोध प्रदर्शन के चलते प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत आईं शेख हसीना ने पूरे घटनाक्रम पर पहली बार चुप्पी तोड़ी और आरोप लगाया कि उनकी सरकार को गिराने के पीछे अमेरिका का हाथ है। अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए कोई ऐसा कार्य नहीं किया है, जिसके कारण वह बंगाल की खाड़ी में स्थित सेंट मार्टिन द्वीप अमेरिका को दे दे। लेकिन विचारणीय पहलू यह है कि भारत ने सन 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के लिए पाकिस्तान से युद्ध किया और 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान को बुरी तरह परास्त करके बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की। भारतीय सैनिकों ने पूर्वी पाकिस्तान में मौजूद 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों और उनके कमांडर जनरल नियाजी को आत्मसमर्पण करने के लिए विवश कर दिया था। इस युद्ध में 3,000 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए और 12,000 घायल हुए। इसके अलावा इस युद्ध में भारत की एक पंचवर्षीय योजना पर होने वाले धन के बराबर धन खर्च हुआ, जबकि उस समय देश आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। यह धन देश की विकास योजनाओं पर खर्च किया जाना था। परंतु मानवता की पुकार के कारण भारत सरकार ने यह धन बांग्लादेश के निर्माण पर खर्च किया।

ADHUNIK TUTORIALS

(“FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT”)

FOR CLASSES 1st-5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES | **OUR TEAM**

- Air conditioned well Furbished classrooms- **Dr.(Er)Puneet Arora (DIRECTOR)**
- Water cooler available - **(B.Tech, M.Tech, MBA, Ph.D)**
- Hygienic washrooms - **Awarded with ‘Young Scientist & Best**
- CCTV for safety purposes - Teachers, Author of Many Books
- In campus parking - Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethony Convent School , Bishop Johnson School & College, Girls school & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the field of Web Development and Machine Learning.

Ms.Riya Arora (Counsellor)

- **Ex. Student of Delhi Public School .**
- **Subject Topper of Delhi Public School**
- **Pursuing LLB from University of Allahabad.**

Contact
Call and Whatsapp: 8542919234

Address: B-Block ADA Colony, Mtek Campus (NITC) Naini Prayagraj.

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया नोएडा मीडिया क्लूब की पत्रकार फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। मीडिया क्लूब द्वारा आयोजित पत्रकार फोटो प्रदर्शनी का आज सांसद डॉ. महेश शर्मा द्वारा भव्य उद्घाटन किया गया। इस विशेष अवसर पर डॉ. महेश शर्मा ने विभिन्न पत्रकारों द्वारा खींची गई तस्वीरों का अवलोकन किया और उनकी कला की प्रशंसा की। इस प्रदर्शनी में नोएडा दिल्ली एनसीआर के 24 फोटो जर्नलिस्ट द्वारा कैद किए गए समाज, राजनीति, और संस्कृति के विविध पहलुओं को उजागर करने वाली छवियों को प्रदर्शित किया गया है। डॉ. महेश शर्मा ने पत्रकारों की इस अभूतपूर्व रचनात्मकता और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। डॉ. महेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, ठपत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, और इस प्रदर्शनी के माध्यम से हमें समाज के विभिनन्‍ पहलुओं को देखने का अवसर मिलता है। इन तस्वीरों में न केवल खबरें हैं, बल्कि समाज का प्रतिबिंब भी है।भाग लेंगे दिल्ली एनसीआर के 24 फोटोजर्नलिस्ट नाम सौरभ राय, ईश्वर चन्द, सुनील घोष,मनोहर त्यागी, सुशील अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, रमेश शर्मा,रवि यादव, अमित शुक्ला,लाल सिंह, राजन राय,अभिनव चौधरी, वीरेंद्र सिंह,नीरज कुमार, विजय पांडे,सतीश कौशिक,राउल ईरानी, राजवंत रावत,हिमांशु सिंह,श्रीकांत सिंह,हरीश त्यागी,एन के दास,चंद्रदीप कुमार के आसिफ।प्रदर्शनी में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकारों ने की इस कला और दृष्टिकोण की भरपूर प्रशंसा की। पूर्व फोटो एडिटर एसएन सिन्हा पूर्व फोटो एडिटर संदीप शंकर, विजुअल डायरेक्टर इंडिया टुडे निलंजन दास,पूर्व फोटो एडिटर जगदीश यादव,पूर्व फोटो एडिटर रवि बत्रा,ने फोटो प्रदर्शन का अवलोकन करते हुए सभी फोटो की भरपूर प्रशंसा की साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम होते रहना चाहिए। इस अवसर पर विनोद शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार) , अनिल चौधरी (वरिष्ठ पत्रकार) ,मोहम्मद आजाद(वरिष्ठ पत्रकार), पंकज पाराशर (वरिष्ठ पत्रकार) रिंकू यादव (कार्यालय अध्यक्ष नोएडा मीडिया क्लूब) इकबाल चौधरी (वरिष्ठ पत्रकार), जेपी सिंह (वरिष्ठ पत्रकार), हरवीर चौहान (वरिष्ठ पत्रकार), मोहम्मद बिलाल, अरुण सिन्हा, मुकेश शर्मा वरिष्ठ पत्रकार भी उपस्थित थे।

इमरान खान के साथ हुआ बड़ा कांड, बुशरा बीबी की 'शक्तियों' का खुला राज; आईफोन से सच आ गया सामने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व प्रमुख फैज हामिद और इमरान खान के बीच कथित संबंधों पर बड़ा खुलासा हुआ है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक फैज हामिद बुशरा बीबी के माध्यम से इमरान खान के संपर्क में रहता था। बता दें कि कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान की सेना ने फैज हामिद को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ कोर्ट मार्शल की कार्रवाई भी की जा रही है। बुशरा बीबी ने आईएसआई के पूर्व प्रमुख फैज हामिद के साथ मिलकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तगड़ा गच्चा दिया है। दरअसल इमरान खान जिसे बुशरा बीबी की शक्तियां मान रहे थे वो तो कुछ और ही निकलीं। फैज हामिद और इमरान खान के बीच संबंधों की जांच में नया खुलासा हुआ है। इस बीच इमरान खान ने कहा है कि वह डरने वाले नहीं हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक जनरल हामिद बुशरा बीबी के माध्यम से इमरान खान के संपर्क में रहता था। हामिद पहले बुशरा बीबी को जानकारी देता था। बाद में बुशरा बीबी यह जानकारी इमरान खान से साझा करती थी। बुशरा इमरान को यह भी बताती थी कि यह ईश्वरीय प्रेरणा से जानकारी मिली है। जानकारी के सही साबित होने पर इमरान खान का बुशरा बीबी की आध्यात्मिक शक्तियों पर विश्वास बढ़ता गया। फैज हामिद और इमरान खान के संबंधों का खुलासा एक आईफोन से हुआ। दरअसल, यह आईफोन चकवाल में मिला था। उधर, इस मामले में इमरान खान की पतनी बुशरा बीबी अधिकारियों के साथ सहयोग कर सकती हैं। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे प्रतिरक्षा के बदले गवाही दे सकती हैं। उधर, जेल में बंद इमरान खान ने कहा कि वह जनरल फैज हमीद की गिरफ्तारी से भयभीत नहीं हैं। बता दें कि 12 अगस्त को पाकिस्तान की सेना ने घोषणा की थी कि जनरल हमीद को दिसंबर 2022 में उनकी सेवानिवृत्ति के बाद सेना अधिनियम के उल्लंघन के कई मामलों में गिरफ्तार किया गया है। फैज हामिद अभी सैन्य हिरासत में हैं। कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

स्त्री' छीन सकती है कल्कि 2898 एडी का 'सिंहासन', रविवार को मूवी ने मचाया गदर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर स्त्री 2 ने इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक जमाई हुई है। पहले दिन 76 करोड़ के आसपास की ओपनिंग करने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म की कमाई हर दिन के साथ बढ़ रही है। मूवी के क्रेज को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्रता दिवस से एक रात पहले 14 अगस्त को मेकर्स ने इसका प्रीमियर शो रखा था और थिएटर तभी खचाखच भर गए थे। सरकटा और स्त्री के बीच की लड़ाई लोगों को बेहद पसंद आ रही है, जो भी थिएटर से बाहर आ रहा है वह मूवी की तारीफ करता हुआ नहीं थक रहा। स्त्री 2 का क्रेज ऑडियंस के बीच साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कॉमेडी को देखने के बाद लोग पेट पकड़कर हंस रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म गदर काट रही है। रविवार के कलेक्शन के बाद स्त्री 2 कल्कि 2898 एडी को गद्दी से हटाने के नजदीक पहुंच चुकी है। मूवी के क्रेज को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्रता दिवस से एक रात पहले 14 अगस्त को मेकर्स ने इसका प्रीमियर शो रखा था और थिएटर तभी खचाखच भर गए थे। सरकटा और स्त्री के

बीच की लड़ाई लोगों को बेहद पसंद आ रही है, जो भी थिएटर से बाहर आ रहा है वह मूवी की तारीफ करता हुआ नहीं थक रहा। रविवार के कलेक्शन के बाद अब श्रद्धा कपूर -पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के हिंदी भाषा में बॉक्स ऑफिस पर सिंहासन को छीनने के बेहद करीब पहुंच चुकी है। श्रद्धा कपूर-राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी की चौकड़ी लोगों को बेहद पसंद आ रही है। महंगी टिकट होने के बावजूद भी लोग बिना पॉकेट की परवाह किये अपने परिवार संग फिल्म देखने थिएटर में जा रहे हैं, जिसका असर साफ-साफ बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के रूप में देखने को मिल रहा है। शनिवार को मूवी ने जहां तकरीबन 43.85 करोड़ का कलेक्शन किया, तो वहीं रविवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा ही उड़ा दिया। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रविवार को मूवी का कलेक्शन डबल हुआ और स्त्री 2 के खाते में सिगल डे पर टोटल 55 करोड़ आए। स्त्री 2 का चार दिनों के अंदर ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर नेट कलेक्शन 190.55 करोड़ के आसपास पहुंच चुका है। 15 अगस्त से रक्षाबंधन की छुट्टी का हॉरर कॉमेडी फिल्म को भरपूर फायदा मिला। श्रद्धा कपूर अपने को-स्टार रहे प्रभास की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के हिंदी भाषा में कमाई का रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब पहुंच चुकी हैं। प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर साइंटिफिक फिल्म ने हिंदी में 53 दिनों में टोटल 293.06 करोड़ का कलेक्शन किया है। जिस स्पीड से बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 दौड़ रही है, उसे देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि स्त्री के लिए कल्कि का इंडिया में रिकॉर्ड तोड़ना बाए हाथ का खेल है। वर्ल्डवाइड स्त्री 2 ने अब तक 188 करोड़ के आसपास का कलेक्शन किया है।

पापा के साथ नए घर को देखने पहुंची राहा कपूर, जल्द शिफ्ट होंगे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राहा कपूर भी पॉपुलर स्टार किड्स में शामिल हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर जब भी उनका कोई वीडियो आता है तो तेजी से वायरल होने लगता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। रविवार को राहा का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह पापा के साथ अपने नए घर को देखने पहुंची। इस दौरान बेहद क्यूट नजर आई। रणबीर कपूर की बेटी राहा कपूर की एक झलक पाने के लिए फैंस काफी बेताब रहते हैं। हर कोई उनकी क्यूटनेस पर फिदा है। हाल ही में राहा का एक और वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो पापा के साथ नए घर को देखने पहुंची हैं। कुछ दिन पहले ये खबर आई थी कि रणबीर कपूर के इस नए घर का नाम राहा कपूर के नाम पर रखा जाएगा। वीकेंड पर आलिया और रणबीर अपनी लाडली के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त गुजारते हैं। ऐसे रणबीर अपनी बेटी के साथ आज नए घर पहुंचे। जहां वो जल्द शिफ्ट होने वाले हैं। इस वीडियो में देख सकते हैं रणबीर और राहा कपूर

प्रॉपर्टी में एंट्री लेते नजर आ रहे हैं। इसके बाद रणबीर ने राहा को गोद में भी उठाया और फिर उन्हें वो जगह दिखाई। बता दें, बीते लंबे समय से मुंबई के बांद्रा में रणबीर और आलिया के नए बंगले का कंस्ट्रक्शन चल रहा है। कहा जा रहा है कि ये कपल जल्द ही इस घर में गृह प्रवेश करने वाला है। सिर्फ इतना ही नहीं वे राहा के साथ वहां इस फेस्टिवल को मनाने की तैयारी कर रहें हैं। दीवाली का आने वाला त्योहार भी रणबीर और आलिया बेटी राहा के साथ इसी बंगले में मनाएंगे। इससे पहले खबर थी कि इस नए घर का नाम आलिया और रणबीर अपनी बेटी राहा कपूर के नाम पर रखने वाले हैं। हालांकि, अभी तक इस खबर की कोई पुष्टि नहीं हुई है। साथ ही इस बंगले की कीमत भी 200 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है।

कंगना रनौत ने ठुकराई थीं रणबीर-अक्षय की फिल्में बोलीं- बिना इनके भी बन सकती है पहचान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कंगना रनौत बॉलीवुड की धाकड़ एक्ट्रेस में से एक हैं। वह कई मुद्दों पर अपनी राय खुलकर एक सोच समझकर लिया हुआ फैसला था। कंगना रनौत इस समय अपने एक इंटरव्यू को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। इस इंटरव्यू में

रखते हुए नजर आती हैं। फिर चाहें वह मुद्दा बी-टाउन का हो या पॉलिटिक्स का। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक पॉडकास्ट में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कई बातें शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने बॉलीवुड के बारे में भी बात की है। इसी दौरान एक्ट्रेस ने यह भी शेयर किया कि उन्होंने रणबीर कपूर और अक्षय कुमार के साथ लीड रोल वाली फिल्मों के प्रपोजल तक ठुकरा दिए थे। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि खान, कुमार और कपूर के साथ काम करना उन्होंने कई बातें शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्होंने बी टाउन में खान कुमार और कपूर के साथ काम करने का मौका ठुकरा दिया था। वहीं उन्होंने खान के साथ काम न करने के बारे में भी बात की है। चलिए जानते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा है। एक्टेस ने राज शमनी के पॉडकास्ट में कहा कि यह उनके लिए उदाहरण स्थापित करने का तरीका है कि एक्ट्रेस शाह रुख खान, सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार और रणबीर कपूर के साथ फिल्में किए बिना भी बी टाउन में अपनी पहचान बना सकती है।

सनी कौशल ने शो में अपने ऑडिशन के दिनों को किया याद, बोले- हम कहीं भी घुस जाते थे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कॉमेडियन जाकिर खान स्टैंड अप कॉमेडी के बाद अब अपने शो 'आपका अपना जाकिर' से दर्शकों को हंसा रहे हैं। उनके इस शो में कई सेलिब्रिटी गेस्ट ऑडिशन देते थे। उनका एक फ्रेंड सर्कल था जहां वे एक-दूसरे को बताते रहते थे कि ऑडिशन कहां हो रहे हैं। इसके आगे एक्टर ने कहा कि हम कहीं भी घुस जाते थे। जहां देखा 'ऑडिशन खुला,

बनकर आ चुके हैं और यहां वह स्टार्स के साथ हंसी मजाक के साथ उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में भी कई सवाल करते हैं। हाल ही में उनके इस शो का हिस्सा 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की कास्ट तापसी पन्नू, सनी कौशल और विक्रांत मैसी बने। इस दौरान होस्ट ने सभी से कई सवाल किए। शो में सनी कौशल ने भोजपुरी फिल्म के लिए ऑडिशन देने की मजेदार घटना को भी याद किया।जाकिर ने अपने शो में 'शिद्दत' एक्टर से उनकी स्क्रीन टेस्टिंग के दिनों की कहानियां शेयर करने के लिए प्रेरित किया। फिर सनी कौशल ने बताया कि कैसे वह और विक्की कौशल अपने दूसरे दोस्तों के साथ एक दिन में कई पुरुष 22-25' घुस गए। एक बार हम सुबह से निकले हुए थे। एक बार हम सुबह से बाहर थे और हमने कम से कम एक ऑडिशन देने का फैसला किया था घर वापस जाने से पहले ऑडिशन। हमने एक भोजपुरी फिल्म के लिए ऑडिशन होते देखा। हमने दरवाजा खोला और पूछा फिट-नॉट फिट। उन्होंने बोला तीनों फिट हो आजो। हमने ऑडिशन दिया है, वहीं पर रिजेक्ट हुए हैं और निकल गए। कॉमेडियन-होस्ट ने विक्रांत मैसी से भी उनकी कास्टिंग कहानी के बारे में भी बात की। अभिनेता ने इस बारे में विस्तार से बताया और यह स्वीकार किया कि उन्हें अपना पहला रोल एक रेस्तरां में वॉशरूम के लिए कतार में खड़े होने के दौरान मिला था।

राखी त्योहार का असली मतलब बताती हैं ये फिल्में, भाई-बहन के अटूट प्यार से भरी है कहानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री का त्योहारों से गहरा नाता रहा है। बॉलीवुड में हर तरह के त्योहार को कई फिल्मों में दिखाया गया है। देशभर में रक्षाबंधन त्योहार की धूम मची है। भाई-बहन के प्यार का प्रतीक इस है। बॉलीवुड में इस त्योहार को बखूबी दिखाया गया है। हिंदी सिनेमा में कई बार ऐसी फिल्में बनी हैं जब प्रेम और रोमांस से ज्यादा भाई और बहन के रिश्ते पर फोकस किया गया हो। रक्षाबंधन के स्पेशल मौके पर हम पुराने जमाने से लेकर भाई (रहमान) का ख्याल रखता है। जब मीना अपनी आंखें खो देती है, तब राजेंद्र उसकी ढाल बनता है। 'भैया मेरे राखी के बंधन को' इसी फिल्म है, जो बहन का भाई के लिए प्रेम और केयर को दिखाता है।1962 में रिलीज हुई यह मूवी

फेस्टिवल को हिंदी फिल्मों में कई रंगों में और खूबसूरती के साथ दिखाया गया है। फिर चाहे वह कुछ मिनट का रोल हो या पूरी फिल्म ही इस कॉन्सेप्ट पर बनी हो। हम आपको उन फिल्मों के बारे में बताएंगे, जिनमें भाई-बहन के प्यार से सजे रक्षाबंधन त्योहार को बखूबी दिखाया गया है। 19 अगस्त को पूरा देश राखी का त्योहार मनाएगे। इस कड़ी में आप कुछ ऐसी फिल्मों को देख सकते हैं, जिसमें रक्षाबंधन त्योहार को बखूबी दिखाया गया हो। इन फिल्मों से आप अपने दिन को और खास बना सकते हैं। रक्षाबंधन का त्योहार भारत में पूरे जोश और हंसी-खुशी के साथ मनाया जाता आज के जमाने में बनाई गई ऐसी ही फिल्मों की बात करेंगे। 1941 में रिलीज हुई 'सिकंदर' बॉलीवुड की वह शुरुआती फिल्म है, जिसमें राखी पर्व को दिखाया गया था। पृथ्वीराज कपूर ने फिल्म में सिकंदर की भूमिका निभाई थी। इस मूवी को अमेजन प्राइम पर देखा जा सकता है।'रेशम की डोरी' धर्मेंद्र और सायरा बानो स्टारर मूवी है। अजीत (धर्मेंद्र) अनाथ है। वह अपनी छोटी बहन रज्जो (कुमुद चुग्गानी) की शादी एक सम्माजनक परिवार में करना चाहता है। परिस्थितियां तब बदल जाती हैं, जब उसकी बहन के साथ दुष्कर्म की हरकत की जाती है। राजेंद्र (बलराज सैनी) अपनी बहन मीना (नंदा) और छोटे वहीदा रहमान और अशोक कुमार के ऊपर आधारित है। दोनों अनाथालय में पले-बढ़े हैं और एक दूसरे की ढाल बनकर रहते हैं। लेकिन एक दिन कुछ ऐसा हो जाता है, जिससे इन भाई-बहन के बीच दरार पैदा हो जाती है।ये फिल्म काली (मिथुन चक्रवर्ती) और सीता (तन्वी आजमी) पर आधारित फिल्म है। काली का विनय (विनोद मेहरा) के साथ अक्सर कुछ न कुछ विवाद होता रहता है। विनय, सीता को पसंद करता है। परिस्थिती तब बदल जाती है, जब एक एक्सीडेंट में विनय अपना दायां हाथ खो देता है।अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'रक्षाबंधन' इसी नाम के त्योहार पर बनी मूवी है। यह फिल्म चार बहनों के बड़े भाई की स्टोरी है, जिस पर अपने परिवार की जिम्मेदारी है। उसे अपनी बीमार मां से किए वादे को पूरा करने के साथ-साथ पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखने का प्रयास करता है।'फिजा' उस बहन (करिश्मा कपूर) की कहानी है, जो अपने दंगे में गुम हो गए अपने भाई (ऋतिक रोशन) की तलाश में निकल पड़ती है। वक्त गुजरता है और दोनों अपनी-अपनी लाइफ में आगे बढ़ चुके होते हैं। एक दिन दोनों की मुलाकात होती है और तब इनकी दुनिया में नया मोड़ आता है। ये मूवी एप्पल टीवी पर देखी जा सकती है। रक्षाबंधन के खास मौके पर आप 'सरबजीत' फिल्म को देख सकते हैं। यह रियल इंसिडेंट पर आधारित मूवी है। ऐश्वर्या राय ने इसमें सरबजीत की बहन का किरदार निभाया है। जबकि, सरबजीत के रोल में रणदीप हुड्डा हैं। ये फिल्म उस सिस्टम से उस बहन की लड़ाई को दिखाती है, जो अपने भाई पर पाकिस्तानियों द्वारा जासूसी और आतंकवादी होने के आरोप में काट रहे सजा से मुक्ति दिलाने का प्रयास करती है। 'जोश' ऐश्वर्या राय और शाह रुख खान की मूवी है। दोनों ने इसमें जुड़वा भाई बहन का रोल प्ले किया था। इस फिल्म में शाह रुख एक लोकल गुंडे हैं, तो वहीं लोगों को परेशान करने में उनका साथ देने वाली बहन के रोल में ऐश्वर्या हैं। इस मूवी में शाह रुख और ऐश्वर्या का एक दूसरे के लिए भाई-बहन का प्रेम भी दिखाया गया है। मूवी अमेजन प्राइम पर अवेलेबल है। सूरज बड़जात्या की 'हम साथ-साथ हैं' पारिवारिक फिल्म है। वैसे तो इसमें करिश्मा कपूर-सैफ अली खान, मोहनीश बहल-तब्बू, सलमान खान-सोनाली बेंद्रे की लव स्टोरी को सेंट्रल में रखा गया है। तीनों भाइयों की प्यारी सी बहन बनीं नीलम कोठारी के सीन भी हैं, जो इस मूवी में भाई-बहन के प्यार को भी दर्शाते हैं। इस मूवी को जी5 पर देखा जा सकता है।

दिनेश कार्तिक को विक्रांत मैसी समझकर फैन ने किया टैग, तारीफ सुनकर लोटपोट हुए क्रिकेटर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक्ट्रेस तापसी पन्नू और अभिनेता विक्रांत मैसी की फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में विक्रांत और तापसी के अलावा अभिनेता सनी कौशल भी नजर आ रहे हैं। दर्शकों का फिल्म को लेकर मिला जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है, लेकिन विक्रांत मैसी का भारत के पूर्व विकेटकीपर दिनेश कार्तिक संग नाम जुड़ता नजर आ रहा है। दरअसल, एक फैन ने विक्रांत मैसी को दिनेश कार्तिक समझ लिया, जिसका कारण है दोनों के लुक का एक जैसा होना। दरअसल, फैन ने 'फिर आई हसीन दिलरुबा' फिल्म की तारीफ करते हुए विक्रांत की जगह क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को टैग कर दिया और उनके काम की तारीफ की। इतना ही नहीं क्रिकेटर ने फैन को जवाब भी दिया। सोशल मीडिया के अकाउंट पर फैन ने लिखा कि, ''अभी फिर आई हसीन दिलरुबा देखी, दिनेश कार्तिक का दमदार प्रदर्शन। इस

ट्वीट को क्वोट करते हुए दिनेश कार्तिक ने लिखा कि अरे वाह!!! धन्यवाद और हंसने वाला इमोजी भी लगाया। ये पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। बता दें, दिनेश कार्तिक फिल्म 'विक्ट्री' में कैमियो कर चुके हैं, लेकिन फिर आई हसीन दिलरुबा में उन्होंने किसी भी तरह का कोई किरदार नहीं निभाया है। विक्रांत मैसी के पास इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स है। वह जल्द फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' में नजर आएंगे। बीते दिनों जिसका टीजर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इसके अलावा वो फिल्म 'सेक्टर 36' में नजर आएंगी। जो एक निठारी कांड से प्रेरित है और इस फिल्म में उनके साथ दीपक डोबरियाल भी नजर आएंगे।

ऐश्वर्या राय से लेकर फरीदा जलाल तक ये हैं सबसे प्यारी ऑनस्क्रीन बहनें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राखी का पर्व भाई-बहन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। राखी

के पवित्र धागे के साथ ही भाई हमेशा अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है। 19 अगस्त को पूरे देश में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। बॉलीवुड फिल्मों ने भी हर त्योहार को बड़ी ही खूबसूरती के साथ पर्दे पर उतारा है। दिवाली हो या फिर होली या फिर कोई अन्य त्योहार, हर फेस्टिवल पर फिल्में बनी हैं। भाई-बहनों के पवित्र बंधन पर भी कई फिल्में और गाने बने हैं। हालांकि, हम इस रक्षाबंधन के खास मौके पर आपको फिल्मों या गानों के बारे में नहीं, बल्कि उन एक्ट्रेसेज के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने कई फिल्मों में बड़े-बड़े एक्टर्स की बहनों का किरदार अदा किया है। तो चलिए देखते हैं उन अभिनेत्रियों की लिस्ट- रीता भादुड़ी ने टेलीविजन और फिल्मों में खूब काम किया। अधिकतर फिल्मों में उन्होंने मां और भाभी जैसे किरदार निभाए। बड़े पर्दे पर अधिकतर मां का किरदार निभाने वालीं रीता भादुड़ी ने टीवी के लोकप्रिय शोज 'साराभाई वर्सेज साराभाई' में सतीश शाह की बहन का रोल अदा किया था। साल 1965 में फिल्म 'नूर महल' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मधु मालिनी की किस्मत हीरोइन बनकर सुपरहिट हुई हो या नहीं, लेकिन बहन के किरदार में उन्होंने जो जान फूंकी, वह वाकई काबिल-ए तारीफ था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।